डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. NO. RAJHIN/2006/16735 राजस्थान एवं केन्द्र सरकार से विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

रॉयल पत्रिका मंगवाने के लिए संपर्क करें -
9799559096
0141-4982834

रॉयल पत्रिका

प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी कैसे करें?और सरकारी नौकरियों की जानकारी के लिए पढ़ें पृष्ठ 5

वर्ष : 20 | अंक : 30 | पेज: 08 | जयपुर, सोमवार, 25 अगस्त से 31 अगस्त 2025 | साप्ताहिक | मूल्य: 7 रुपए

फ़िलिस्तीन के समर्थन में विशाल प्रदर्शन

-ग़ाज़ा पर इस्राइल के क़ब्ज़े की योजना की कड़ी निंदा, भारत सरकार से ठोस कार्रवाई की मांग

नई दिल्ली (रॉयल पत्रिका)। अगस्त 2025 को राजधानी दिल्ली में ग़ाज़ा के साथ एकजुटता व्यक्त करने और क्षेत्र में इस्राइल की बर्बर आक्रामकता की निंदा करने के लिए जन्तर मंतर पर एक विशाल प्रदर्शन किया गया। प्रतिभागियों ने गहराई से चिंता व्यक्त करते हुए चेतावनी दी कि ग़ाज़ा पर इस्राइल का सैन्य अथवा राजनीतिक क़ब्ज़ा स्थापित करने का कोई भी प्रयास पहले से घिरे हुए इस क्षेत्र में चल रहे मानवीय संकट को और गहरा देगा।

दिल्ली और आस-पास के राज्यों से सैकड़ों लोग धर्म, विचारधारा और सामाजिक पृष्ठभूमि की सीमाओं से परे एकत्र हुए। इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या में आम नागरिक, छात्र, सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक नेता तथा प्रमुख नागरिक समाज कार्यकर्ता शामिल हुए। विभिन्न धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक पृष्ठभूमियों से लोगों की भागीदारी ने यह सशक्त संदेश दिया कि फ़िलिस्तीन के साथ एकजुटता केवल मुस्लिम समुदाय तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारत के सभी शांति और न्याय प्रिय लोगों की साझा चिंता है। प्रदर्शन में वक्ताओं ने इस्राइल की बर्बर आक्रामकता की कड़ी निंदा करते हुए उसे लगातार जारी नरसंहार बताया। उन्हों ने कहा कि अक्टूबर 2023 से अब तक लगभग एक लाख फ़िलिस्तीनी, जिनमें महिलाएँ और बच्चे भी शामिल हैं, मारे जा चुके हैं, जबकि घरों, अस्पतालों, विद्यालयों और शरणार्थी शिविरों को योजनाबद्ध रूप से निशाना बनाया गया है।

प्रदर्शनकारियों ने भूखमरी की भयावह स्थिति और ग़ाज़ा की स्वास्थ्य एवं स्वच्छता व्यवस्था के लगभग पूरी तरह ध्वस्त हो जाने पर गंभीर चिंता जताई तथा चेतावनी दी कि यदि नाकेबंदी नहीं हटाई गई तो शीघ्र ही भुखमरी की स्थिति उत्पन्न हो जाएगी।

प्रदर्शनकारियों ने फ़िलिस्तीन पर पूर्व में जारी संयुक्त वक्तव्य में उठाई गई मांगों को दोहराया, जिसे भारत के प्रमुख मुस्लिम संगठनों और नागरिक समाज समूहों ने समर्थन दिया था।

मांगें इस प्रकार हैं–

1. अंतरराष्ट्रीय समुदाय और विश्व शक्तियाँ निर्णायक कार्रवाई करें तथा तत्काल युद्ध विराम सुनिश्चित करें।
2. तत्काल मानवीय गलियारों को खोला जाए ताकि भोजन, पानी, ईंधन और चिकित्सा सहायता ग़ाज़ा तक पहुँच सके।
3. अंतरराष्ट्रीय समुदाय और भारत सरकार इस्राइल की कार्रवाइयों की निंदा करें तथा उसके साथ सभी सैन्य और रणनीतिक सहयोग समाप्त करें।
4. विश्व शक्तियाँ और भारत सरकार, इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के विरुद्ध अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय द्वारा जारी गिरफ्तारी वारंट का समर्थन करें और संयुक्त राष्ट्र महासभा की फ़िलिस्तीनी इलाक़ों से अवैध क़ब्ज़ा समाप्त कर स्वतंत्र, संप्रभु फ़िलिस्तीनी राज्यकी स्थापना के प्रस्ताव का अनुमोदन करें।
5. भारत अपनी पुरानी परंपरा का पालन करते हुए पीड़ितों के साथ खड़ा हो और अवैध क़ब्ज़ा समाप्त करने के अंतरराष्ट्रीय प्रयासों का सक्रिय समर्थन करे।
6. देशभर के नागरिक समाज और संस्थान जन-जागरूकता अभियान तेज़ करें, इस्राइली उत्पादों का बहिष्कार करें और शांतिपूर्ण एक जुटता गतिविधियाँ चलाएँ।

प्रदर्शन से मुस्लिम बहुल देशों से भी प्रबल अपील की गई कि वे इस्राइल और अमेरिका पर अधिकतम दबाव डालें ताकि रक्त पात रोका जा सके । प्रतिभागियों ने ज़ोर देकर कहा कि नरसंहार के सामने चुप्पी अस्वीकार्य है और सरकारों, संस्थाओं तथा व्यक्तियों को अपने नैतिक एवं संवैधानिक दायित्वों के अनुरूप कार्य करना चाहिए। इस विशाल विरोध प्रदर्शन को संबोधित करने वालों में प्रमुख थे – सैयद सआद तुल्लाह हुसैनी, अध्यक्ष, जमाअत-ए-इस्लामी हिंद; मौलाना हकीमुद्दीन क़ासमी, महासचिव, जमीयत उलमा-ए-हिंद; प्रो. अपूर्वानंद, दिल्ली विश्वविद्यालय; प्रो. वी.के. त्रिपाठी; अधिवक्ता लाराजय सिंह, वरिष्ठ वकील, बंबई उच्चन्यायालय; निशासिद्, महासचिव, एनएफआईडब्ल्यू; मोहम्मदअदीब, पूर्व राज्य सभा सांसद; ज़ियाउद्दीन सिद्दीक़ी, अध्यक्ष, वहदत-ए-इस्लामी; रईसुद्दीन, राष्ट्रीय अध्यक्ष, वेल्फेयर पार्टी ऑफ इंडिया; मुफ़्तीअब्दुल रज़ाक़जमीयतउलमा, दिल्ली; अब्दुलहफ़ीज़, अध्यक्ष, एसआईओ ऑफ़ इंडिया; शेख़ निज़ामुद्दीन, सहायक महासचिव, मिलीकाउंसिल; और मालिक मुअतसिम ख़ान, उपाध्यक्ष, जमाअत-ए-इस्लामी हिंद। मोहम्मद सलमान, मीडिया सचिव जमाअत-ए-इस्लामी हिंद (केंद्र) उपस्थित रहे।

दरगाह कमेटी अजमेर की गंभीर वित्तीय एवं प्रशासनिक अनियमिताएं उजागर

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरण रिजिजू ने संसद के मानसून सत्र में लिखित जवाब देते हुए उनके मंत्रालय के तहत काम करने वाली दरगाह कमेटी, अजमेर के भीतर गंभीर वित्तीय और प्रशासनिक अनियमितताओं को उजागर किया है। बाड़मेर सांसद उम्मेदाराम बेनीवाल के सवाल के जवाब में मंत्री ने गुरुवार को संसद में लिखित जवाब प्रस्तुत किया।

इसमें नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (CAG) की 2013-14 से 2022-23 तक की रिपोर्टों का हवाला दिया गया, जिसमें 6 करोड़ रुपये से अधिक की विसंगतियों का खुलासा हुआ। बेनीवाल ने कहा कि उनके द्वारा पूछे गए 5 में से 2 सवालों का जवाब मंत्री ने गोल-गोल दिया है, जिसे उन्होंने दुर्भाग्यपूर्ण बताया। रिपोर्ट में निधियों का दुरुपयोग, रखरखाव और स्वच्छता की कमी, कर नियमों के उल्लंघन और सुरक्षा संबंधी खामियों को भी सामने लाया गया है।

केन्द्रीय पेट्रोलियम मंत्री व मुख्यमंत्री ने किया एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी का निरीक्षण

-विकसित भारत की उभरती यात्रा में मील का पत्थर है राजस्थान रिफाइनरी- भजनलाल शर्मा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा व केन्द्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने रविवार को बालोतरा जिले के पचपदरा स्थित एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी लि. (एचआरआरएल) का निरीक्षण किया। उन्होंने रिफाइनरी परिसर में क्रूड डिस्टिलेशन यूनिट (सीडीयू) व डिलेयड कोकिंग यूनिट (डीसीयू) का सघन निरीक्षण किया एवं कर्मचारियों से आत्मीय मुलाकात कर उनके कार्य अनुभव की जानकारी ली। केन्द्रीय मंत्री पुरी एवं मुख्यमंत्री शर्मा ने रिफाइनरी मेन कंट्रोल रूम (आरएमसीआर) का उद्घाटन किया। इसके पश्चात मुख्यमंत्री व केन्द्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री ने आरएमसीआर परिसर में ऑपरेटर प्रशिक्षण सिम्युलेटर का शुभारंभ किया। शर्मा ने सीडीयू, वीडीयू एवं डीसीयू यूनिट के कंट्रोल पैनल के माध्यम से पम्पिंग सिस्टम की शुरूआत की तथा इस प्रकिया की जानकारी ली।

कौशल प्रशिक्षण से स्थानीय युवाओं को रिफाइनरी में मिलेगा रोजगार—

केन्द्रीय मंत्री एवं मुख्यमंत्री ने आरएमसीआर में परियोजना समीक्षा बैठक भी ली। बैठक में एचपीसीएल अधिकारियों ने पावर प्वाइंट प्रजेन्टेशन के माध्यम से रिफाइनरी की वर्तमान स्थिति, ओवरव्यू, उत्पाद व निकासी योजना एवं सभी महत्वपूर्ण रिफाइनरी इकाइयों की उपयोगिता एवं सम्पूर्ण उत्पादकता से संबंधित जानकारी दी। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री ने बैठक में रिफाइनरी अधिकारियों को कौशल विकास पहल की आगामी 15 दिनों में कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्थानीय युवाओं को कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से इस रिफाइनरी में रोजगार उपलब्ध करवाने के लिए केंद्र एवं राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने अधिकारियों से रिफाइनरी की आगामी समय में शुरू होने वाली महत्वपूर्ण इकाइयों को लेकर भी चर्चा की। **शेष पृष्ठ 2 पर....**

केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने किया सीएचसी का शिलान्यास

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री एवं अलवर सांसद भूपेंद्र यादव रविवार को कोटपूतली-बहरोड़ जिले के दौरे पर रहे। यादव ने इस दौरान नीमराना के माजरीकलां कस्बे के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के नए भवन का शिलान्यास किया। इस दौरान बहरोड़ विधायक डॉ. जसवंत सिंह यादव एवं डीसीए अध्यक्ष मोहित यादव सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि व आमजन उपस्थित रहे। यादव ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार का प्रमुख उद्देश्य चिकित्सा और शिक्षा के क्षेत्र में आमजन को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है। देश की प्रगति तभी संभव है जब गांव और दूर-दराज के इलाकों में रहने वाले लोगों को बुनियादी स्वास्थ्य सेवाएं समय पर मिलें, इसके लिए सरकार निरन्तर प्रयासरत है। यह स्वास्थ्य केन्द्र माजरी कलां सहित आसपास के दर्जनों गांवों के निवासियों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराएगा जिससे क्षेत्रवासियों को सामान्य बीमारी के इलाज के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। सीएचसी के निर्माण का कार्य शीघ्र पूर्ण कर दिया जाएगा। यादव ने कहा कि राजस्थान में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में सरकार हर क्षेत्र में बेहतर काम कर रही है। स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क और जल आपूर्ति जैसे मूलभूत क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति हो रही है। उन्होंने कहा कि खेल मैदान के प्रस्ताव को शीघ्र की उचित स्तर पर भेजेंगे जिससे कि स्थानीय लोगों को लाभ मिले। उन्होंने कहा कि सरकार ने अपने अब तक के कार्यकाल में कई अभूतपूर्व कार्य किए है, उन्होंने आश्वासन दिया कि अपने कार्यकाल में सरकार सतत रूप से प्रदेश और क्षेत्र के विकास के लिए कार्य करेगी। विधायक डॉ. जसवंत यादव ने भी सरकार की योजनाओं की जानकारी दी और कहा कि बहरोड़ विधानसभा क्षेत्र में विकास की नई इबारत लिखी जा रही है। स्वास्थ्य केंद्र के निर्माण से क्षेत्रवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया करवाई जा सकेगी। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार सरकार की प्राथमिकता है। ग्रामीणों ने सीएचसी के लिए सरकार का आभार व्यक्त किया।

दिया कुमारी के प्रयास से पीडब्ल्यूडी संवेदकों की हड़ताल हुई समाप्त

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी के प्रयासों से गुरूवार 21 अगस्त को पीडब्ल्यूडी संवेदकों द्वारा लगभग 70 दिन से जारी हड़ताल समाप्त हो गई। आपसी सहमती से तैयार किए गये समझौता पत्र पर हस्ताक्षर के बाद संवेदक संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने सरकार एवं उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी का आभार जताया। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा है कि हमारी सरकार राजस्थान के विकास के लिए प्रतिबद्ध होकर काम कर रही है। हमने संवेदकों द्वारा उठाई गई मांगों पर सकारात्मक चर्चा करके उनके सकारात्मक समाधान के निर्देश सम्बंधित अधिकारियों को दे दिए हैं। उन्होंने कहा कि विकास को प्राथमिक लक्ष्य रखकर हम सभी पक्षों के हितों का ध्यान रखकर आगे बढ़ रहे हैं। इससे पूर्व अतिरिक्त मुख्य सचिव पीडब्ल्यूडी प्रवीण गुप्ता के कक्ष में संवेदक संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने समझौता पत्र पर हस्ताक्षर कर उन्हें समझौता पत्र सौंपा । पदाधिकारियों ने बताया कि निर्माण कार्यों की निविदाओं में जीएसटी को अलग कर निविदाएं आमंत्रित करने, सीमेंट कंकरीट सड़क निर्माण कार्यों में पीक्यूसी की मोटाई 20 सेमी तक के कार्यों के लिए डीएलपी (गारंटी अवधि) 5 वर्ष रखने सहित विभिन्न बिन्दओं पर सहमति बन गई है। इसके साथ ही अन्य बिंदुओं पर विचार करने के लिए एक संयुक्त समिति गठित करने के निर्देश दिए गए हैं जिसमें संवेदकों के दो प्रतिनिधि एवं विभाग के अधिकारी शामिल होंगे । उन्होंने कहा कि हम सरकार की इस सकारात्मक पहल का स्वागत करते हैं और विश्वास दिलाते हैं कि प्रदेश के विकास में कंधे से कंधा मिलाकर सरकार का सहयोग करेंगे। इस दौरान संघर्ष समिति के पदाधिकारियों बीएस राव, रामसिंह शेखावत, मोहर सिंह सोलाना, नरेन्द्र सिंह सोलंकी, किरोड़ी मल मोदी, अंजन चौधरी, भूरा राम चौधरी ,सुनील गर्ग, महेश गहलोत सहित पीडब्ल्यूडी के शासन सचिव डीआर मेघवाल, मुख्य अभियंता टीसी गुप्ता सहित अन्य अधिकारी एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

भाजपा नेता राजेंद्र राठौड़ ने गहलोत, डोटासरा और जूली पर किया कड़ा प्रहार

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने अशोक गहलोत, गोविंद सिंह डोटासरा और टीकाराम जूली पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि कांग्रेसी नेता अपना जनता के बीच अपना जनाधार खो चुके है। कांग्रेसी नेता सिर्फ नोटंकी कर रहे है। भाजपा सरकार के 20 माह के कार्यकाल में किसी विषय पर ना तो कांग्रेस प्रदर्शन कर पाई, ना ही उनके किसी धरने प्रदर्शन में संख्या बल सैंकड़े तक पहुंच पाया। अब वे सोशल मीडिया और मीडिया में सुर्खियां बटौरने के लिए अनर्गल बयानबाजी कर रहे है।

कांग्रेसी के इन नेताओं ने जनता को गुमराह करने के लिए छात्रसंघ चुनाव, बेरोजगारी, पंचायती चुनाव और स्मार्ट मीटर जैसे मुद्दे उठा रहे है। गहलोत अपनी नाकामयाबी का ठिकरा भजनलाल सरकार पर फोड़ना चाहते है। राठौड़ ने कहा कि गहलोत साहब विधानसभा की कार्यवाही को नजरअंदाज कर रहे है, पायलट विधानसभा की कार्यवाही में केवल औपचारिता पूरी कर रहे है, और डोटासरा ने पिछले सत्र को स्वघोषित स्थगित करते हुए विधानसभा की गरिमा को तार—तार करने का कार्य किया। ऐसे कांग्रेसी नेताओं को विचार—विर्मश करने की जरूरत है। राठौड़ ने कहा कि यह विडंबना ही है कि छात्रसंघ चुनाव गहलोत के कार्यकाल में ही बंद हुए और वे इसका ठिकरा भाजपा पर फोड़ रहे है, बेरोजगारी मामले में राजस्थान के हालात गहलोत साहब ने क्या किए, प्रदेश की जनता जानती है। गहलोत और डोटासरा ने मिलकर प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपरलीक के रिकॉर्ड बनाए। कांग्रेस के समय राजस्थान में बेरोजगारी की दर 32.5 प्रतिशत तक पहुंच गई थी। वहीं पंचायती राज चुनाव को लेकर अनर्गल बोलने वाले गहलोत साहब भूल गए कि उनके कार्यकाल में 23 माह तक अलग—अलग चरणों में पंचायत एवं निकाय चुनाव करवाए गए थे। ऐसे में यह स्पष्ट है कि गहलोत अपनी नाकामयाबी भाजपा पर थोपना चाहते है। उन्होंने कहा कि गहलोत सरकार के समय दिव्यांग क्षेणी तक में जमकर फर्जीवाड़ा किया गया। 43 दिव्यांगों की नौकरी पर 37 अयोग्यजनों ने हक मारने का काम किया। कोई अंधा बनकर नौकरी कर रहा था, तो कोई बहरा बनकर नौकरी कर रहा था। इतना ही नहीं, गहलोत की सुरक्षा में लगे सुरक्षा गार्ड तक पेपरलीक मामले में संलिप्त पाए गए। इससे बड़ा दुर्भाग्य क्या हो सकता है। वहीं 20 माह की भजनलाल सरकार ने भर्ती परीक्षाओं में पूर्णतया पारदर्शिता रखते हुए 280 से अधिक परीक्षाओं का सफल आयोजन करवाया।

शेष पृष्ठ 2 पर....

स्वतंत्रता दिवस पर रॉयल पत्रिका के संवाददाता शब्बीर हुसैन को किया सम्मानित

एम. खान

बारां (रॉयल पत्रिका) । जयपुर से प्रकाशित होने वाले रॉयल पत्रिका समाचार पत्र के बारां जिले के संवाददाता शब्बीर हुसैन को स्वतंत्रता दिवस 2025 पर आयोजित जिला स्तरीय मुख्य समारोह में अतिरिक्त जिला कलक्टर दिव्यांशु शर्मा और एडिशनल एसपी राजेश चौधरी ने पत्रकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर मेडल पहनाकर और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। शब्बीर हुसैन पिछले 12 सालों से समर्पित भाव से रॉयल पत्रिका के लिए रिपोर्टिंग करते आ रहे हैं। इन्होंने हमेशा अपनी सटीक रिपोर्टिंग के जरिए पीड़ितों, शोषितों के मुद्दों, प्रशासनिक खबरों और सामाजिक सौहार्द के मुद्दों को बेहतरीन ढंग से अपनी कलम के जरिए पेश किया है। उनके सम्मानित होने पर बारां जिले सहित हाड़ौती संभाग के गणमान्य लोगों ने मुबारकबाद देकर हौंसला अफजाई की।

पूर्व मुख्यमंत्री स्व. बरकतुल्ला खान की जयंती पर पुष्पांजलि कार्यक्रम सम्पन्न

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । पूर्व मुख्यमंत्री स्व. बरकतुल्ला खान की जयंती के अवसर पर सोमवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, जयपुर पर पुष्पांजलि कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली सहित अनेक कांग्रेसजनों ने स्व. बरकतुल्ला खान के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी पुष्पांजलि दी।

इस अवसर पर उपस्थित मीडिया को सम्बोधित करते हुये राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री स्व. बरकतुल्ला खान ने जीवनपर्यन्त प्रदेश के लोगों की सेवा की और अपने किये कार्यों से समाज में अमिट छाप छोड़ी है तथा राजस्थान के विकास में उनका योगदान सदैव याद रखा जायेगा। उन्होंने कहा कि हमारे महान् नेताओं ने प्रदेश में अपने वीजन से कराये कार्यों द्वारा प्रदेश के दलितों, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों, महिलाओं को सहारा देने का कार्य किया, किन्तु आज प्रदेश का दुर्भाग्य है कि जनता को भ्रमित कर झूठे वादे करके, जनता को बरगलाकर, साम्प्रदायिकता की राजनीति कर भाजपा ने सत्ता हासिल कर ली, जिन भाजपा नेताओं ने सर्वाधिक भ्रमित करने का कार्य किया उनमें से कुछ लोगों को तो जनता ने घर बिठा दिया, लेकिन दिल्ली से आई पर्ची से सत्ता कायम हो गई। जिसे दो वर्ष पूर्ण होने को है लेकिन ना तो प्रदेश में कोई काम हो रहा है, ना जनकल्याण के लिये कोई बजट जारी हो रहा है, ना कोई सरकार का वीजन नजर आता है, केवल आपसी झगड़े और मनमुटाव के साथ ही दिल्ली दरबार में हाजिरी देने का काम हो रहा है। मुख्यमंत्री अपने घर से यदि निकलते हैं तो या तो दिल्ली जाते हैं अथवा देव दर्शन के लिये जाते हैं। उनके देव दर्शन यात्रा अथवा दिल्ली दरबार में हाजिरी से किसी को आपत्ति नहीं है। **शेष पृष्ठ 2 पर....**

श्रीमती नान्छी देवी बोराज की ढाणी तहसील अध्यक्ष मनोनीत किए

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। जयपुर जिला देहात यादव महिला महासभा की जिलाअध्यक्ष वंदना यादव ने हर तहसीलों में जाकर तहसील अध्यक्ष मनोनीत किया जा रहा है। इसी प्रकार जोबनेर के स्थित बोराज की ढाणी में जयपुर जिला महिला देहात की जिला अध्यक्ष वंदना यादव के नेतृत्व में सर्व समिति से तहसील अध्यक्ष पद पर निवासी श्रीमती नान्छी देवी यादव, पत्नी श्रवण लाल यादव (ढाणी बोराज) को सर्व सम्मति से जोबनेर तहसील की महिला अध्यक्ष पद पर मनोनीत किया गया। इस अवसर पर श्रीमती आशा यादव, जोबनेर से अध्यक्ष नानगराम सैलग्या, हाडौता से कमल किशोर यादव, राजपाल, श्रवण, कानाराम, ओमप्रकाश, सुनील, अनिल, मुकेश, गणेश, प्रभु देवी, लाली देवी, गुड्डी देवी, लक्ष्मा देवी, सुनीता देवी, मनी देवी, राजू देवी यादव एवम् जयपुर जिला देहात यादव महासभा के सदस्य लाल आफरिया सहित लोग मौजूद तहसील अध्यक्ष का माला साल उठाकर सम्मानित करके यादव समाज द्वारा साधूवाद दिये।

सवाई माधोपुर मुस्लिम प्रोफेशनल्स ने बाढ़ पीड़ितों को मदद पहुंचाई

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। मुस्लिम प्रोफेशनल्स ने बाढ़ से हुए नुकसान के लिए राहत इमदाद कैंपेन के तहत टीम के जिम्मेदार सदस्यों ने शहर के अलग-अलग इलाकों का दौरा कर ज़ुरुरतमंदों व पीड़ित लोगों को इमदाद मुहैया करवाई गई। जिसमें कागजी मोहल्ला, मिर्जा मोहल्ला, सुईवालान मोहल्ला, बरकत कॉलोनी अंसारी मोहल्ला और हम्माल मोहल्ला व जो बस्तियां नाले के किनारे बसी हुई हैं। जिनके ज्यादातर घर जलमग्न थे। उनमें जाकर इमदाद की गई ।टीम में डॉ. सैयद बलीग अहमद, ज़ुबैर अहमद, डॉ. शाहिद जैदी, आसिफुद्दीन, मोहम्मद रईस, मोहम्मद काशिफ,अब्दुल मजीद,लियाकत अली आदि मौजूद रहे।

राधा जन्मोत्सव पर निकलेगी विशाल शोभा यात्रा

सांगानेर (रॉयल पत्रिका)। श्री हित समाज मंडल सांगानेर के तत्वाधान में दिनांक 31 अगस्त 2025 दिन रविवार को राधा जन्मोत्सव के उपलक्ष में सांगानेर में विशाल शोभा यात्रा का आयोजन किया जाएगा। जिसमें 30 अगस्त 2025 शनिवार को सुबह 7:00 बजे से 24 घंटे का अखंड नाम संकीर्तन प्रारंभ होगा। 31- 8-2025 दिन रविवार को सुबह 8:00 बजे से श्री राधा बल्लभ सत्संग भवन में मंगल जन्म बधाई गायन, दधिकांदो एवं उछाल उत्सव मनाया जाएगा। शोभा यात्रा शाम 4:00 बजे से सांगानेर स्टेडियम, नगर निगम रोड, मेन बाजार होते हुए सिटी एस बस स्टैंड सांगा सर्किल सांगानेर पर रात्रि 7:30 बजे मुख्य आरती का आयोजन किया जाएगा।

टोंक में बारिश से बाढ़ जैसे हालात

टोंक (रॉयल पत्रिका)। टोंक ज़िले में पिछले 24 घंटों से हो रही तेज़ बारिश के कारण कई इलाकों में पानी भर गया है। शहर और ग्रामीण क्षेत्रों की कॉलोनियों में पानी घरों तक पहुँच गया, जिससे लोगों का जनजीवन प्रभावित हुआ। राहत दलों ने अब तक लगभग 500 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाया है। निवाई के वनस्थली गांव में घरों के अंदर पाँच से छह फीट तक पानी भर गया है। कुछ गाँव चारों ओर से पानी से घिरकर टापू जैसे बन गए हैं और मुख्य सड़कें भी जलमग्न हो गई हैं।

प्रशासन की पहल-

स्थिति को देखते हुए ज़िला प्रशासन सक्रिय है। कलेक्टर कल्पना अग्रवाल और पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार मीणा ने राहत कार्यों का निरीक्षण किया। जेसीबी और ट्रैक्टरों की मदद से फंसे लोगों को सुरक्षित निकाला जा रहा है।

ग़ज़ल

हमको तुम्हारी याद में ग़म कौन देता है
तसल्लियां मुझको हर - दम कौन देता है
सपनों की धूप-छाँव में जीते रहे सनम
शान से जीने की क़सम कौन देता है
उलझी हुई ज़ुल्फ़ - ए - ग़म और आरज़ू
फिर ख़ुश भी होने का वहम कौन देता है
साहिल पे आके टूट गईं कश्तियाँ तमाम
तूफां में हौसलों को दम कौन देता है
रह-रह के दिल में गूंजते हैं गीत तुम्हारे
गीतों को मोहब्बत में जनम कौन देता है
हर सोच के आखिर में तो हंगामे खड़े हैं
फिर भी क़लम को जान-ए-हरम कौन देता है
सच पूछिए तो कह नहीं पाएंगे कभी
नाज़ुक सी शै को ज़ुल्मो सितम कौन देता है

फ़ज़लुर्रहमान

सूचना

समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों में लेखक के अपने विचार हैं, इनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

टीम वतन फाउंडेशन ने बाढ़ पीड़ितों तक पहुँचाया भोजन

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। जिले में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के चलते पूरे जिले में पिछले दो दिन से बाढ़ जैसे हालत बने हुए है। जिला मुख्यालय के पुराने शहर में भी बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। ऐसे मुश्किल समय में सामाजिक सरोकार एवं हमारा पैगाम भाई चारे के नाम थीम पर काम कर रहा वतन फाउंडेशन जरूरतमंदों के लिए उम्मीद की किरण बनकर सामने आया है। फाउंडेशन की टीम ने शनिवार शाम पुरानी जेल रोड़ स्थित अंजुमन स्कूल में मोहब्बत की रसोई (भोजन) तैयार कर बाढ़ पीड़ित प्रभावित क्षेत्रों में घर-घर जाकर भोजन के पैकेट वितरित किए। इस राहत कार्य से कई परिवारों को समय परभोजन मिल सका। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष हुसैन आर्मी ने बताया कि टीम वतन फाउंडेशन का यह सेवा कार्य यहीं तक सीमित नहीं है। संगठन पिछले दस महीनों से रेलवे स्टेशन के सामने मोहब्बत की रसोई के जरिए हर सप्ताह लगभग तीन सौ से चार सौ जरूरतमंद लोगों को भोजन उपलब्ध करवा रहा है। स्थानीय लोगों ने वतन फाउंडेशन के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि संकट की घड़ी में वतन फाउंडेशन टीम ने मानवता और भाईचारे की मिसाल पेश की है। टीम के संरक्षक राजेश शर्मा ने बताया कि मोहब्बत की रसोई में शहर मिर्जा मोहल्ले के स्थानीय लोगों के सहयोग से लगभग 1000 खाने के पैकेट बनाकर पीड़ित परिवारों तक पहुंचाए गए। संरक्षक प्रोफेसर रामलाल ने बताया की स्थानीय लोगों के सहयोग से टीम वतन फाउंडेशन पदाधिकारियों ने प्रभावित क्षेत्र में पहुंच कर भोजन वितरण किया। संगठन राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कैलाश सिसोदिया, मजीद खान रईस खान, छज्जू खान, अफसर अली, अकबर खान, आशीष मेहरा,विष्णु मीणा, मोइन खान, वरिष्ठ अध्यापक अब्दुल मजीद, जाबिर खान, पार्षद असीम, इरफान बाबू, पार्षद शाहरुख खान सलमान रंगरेज, शादाब खान, आदि ने बाढ़ प्रभावित मोहल्लों में घर-घर पहुंच कर खाने के पैकेट वितरित किए।

वोट चोरी के ख़िलाफ़ राहुल गाँधी के बिहार यात्रा को समर्थन- मो.अशहरुल हक

फिरोज खांन वारसी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नई दिल्ली राष्ट्रीय सेक्युलर मजलिस पार्टी के संस्थापक सुप्रीमो एंव राष्ट्रीय अध्यक्ष मो,अशहरूल हक ने बयान देते हुए बताया है कि आजादी के बाद से खुद के अल्पसंख्यक वर्ग के नेताओं ने ही अल्पसंख्यकों को ठगा छला है अल्पसंख्यकों का हितैषी बताकर राजनीति करते रहे हैं और विधायक सांसद बनते रहे हैं जबकि अल्पसंख्यक समुदाय की स्थिति दिन-प्रतिदिन खराब होते जा रही है।

अल्पसंख्यकों का जीवन स्तर गिरता ही जा रहा है, शिक्षा से ये समाज दूर सा हो गया है,रोज़गार के क्षेत्र में आज के वक्त में चाहे सरकारी हो या प्राईवेट अल्पसंख्यकों की संख्या नाम मात्र का रह गया है, चाहे कोई भी विभाग-कार्यालय में प्रतिशत सरकारी आकड़ों से देख लें अल्पसंख्यक वहाँ नहीं है, ये समाज पुरा कट सा गया है आज अल्पसंख्यकों का प्रतिशत जेलों में है ऐसे हालात में शहाब जाफरी का ये शेर फिट बैठता है- "तु ईधर उधर की न बात कर ये बता कि काफिला क्यों लुटा, मुझे रहज़नों से गिला नहीं तेरी रहबरी का सवाल है, आकड़ों के अनुसार वर्ष 2006 में रजिंदर सच्चर कमेटी रिपोर्ट हो या उसके बाद वर्ष 2007 में आए रंगनाथ मिश्रा कमिशन की रिपोर्ट हो आज 18 वर्ष बाद ईन रिपोर्ट के आकड़ों से भी हालात बद से बदतर हो गए हैं ऐसे स्थिति में राष्ट्रीय सेक्युलर मजलिस पार्टी के सुप्रीमो राष्ट्रीय अध्यक्ष मो,अशहरूल हक का बिहार और देश की जनता से खास कर अल्पसंख्यक समाज के लोगों से अपील है जो भी नेता अल्पसंख्यक की राजनीति करता है चाहे वो कांग्रेस में हो या अन्य दलों में वैसे नेताओं का जनता जमानत जब्त कराए ईस बिहार विधानसभा चुनाव में और ज़माने से सांसद मंत्री बने रहने वालों को एक संदेश जाए कि ये राजनीति किसी की बपौती नहीं है बल्कि जनता द्वारा संचालित व्यवस्था है। राष्ट्रीय सेक्युलर मजलिस पार्टी स्वछ राजनीति में विश्वास करती है और स्वस्थ समाज का निर्माण करेगी, विधानसभा चुनाव में युवाओं और योग्यता संम्पण लोगो को मौका भी देगी और अबतक अल्पसंख्यक समाज आरक्षण से वंचित है जबकि हर क्षेत्र में आज सबसे ज्यादा जरूरत आरक्षण की अल्पसंख्यक समाज को है और अभी माननीय राहुल गाँधी जी के बिहार यात्रा का समर्थन करते हुए वोट चोरी में भाजपा के खिलाफ एकजुटता दिखाने की बात को रखा कहा के ये हिन्दस्तान को बचाने का वक्त है संविधान के रक्षा के लिए सभी राहुल गाँधी जी के नेतृत्व में एकजुट हैं।

"सरकार सुने, हमारी आवाज़... वरना ये सन्नाटा आंदोलन में बदलेगा"

-नरेश मीणा को रिहा करने की भी उठी मांग

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। झालावाड़ के पीपलोदी ग्राम विद्यालय में छत गिरने से हुई मासूम बच्चों की दर्दनाक मौत का मामला अब राजधानी जयपुर तक गूंज रहा है। जयपुर शहीद स्मारक पर गुरूवार को लोगों ने प्रदर्शन कर सरकार से बड़ी मांगें उठाई हैं। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि बच्चों की मासूम जान की कीमत सिर्फ मुआवज़े तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि परिवारों को न्याय भी मिलना चाहिए। इस दौरान गुस्साए परिजनों और प्रदर्शनकारियों ने साफ कहा- "सरकार सुने हमारी आवाज़, वरना ये सन्नाटा आंदोलन में बदलेगा।" प्रदर्शनकारियों ने मृतक बच्चों के परिजनों को 1 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता और एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मांग रखी। वहीं हादसे में घायल बच्चों के लिए 50 लाख रुपये की सहायता राशि की भी मांग की गई। इसके साथ ही नरेश मीणा की रिहाई की मांग भी जोर पकड़ रही है।

पृष्ठ एक का शेष....

पूर्व मुख्यमंत्री स्व. बरकतुल्ला खान की जयंती पर.....

लेकिन महत्वपूर्ण सवाल यह है कि प्रदेश की जनता जानना चाहती है कि प्रदेश की सरकार का खजाना खाली है, कर्मचारियों को वेतन देने के लिये पैसे नहीं है, कांग्रेस के शासनकाल में जो कार्य हुये, योजनायें लागू हुई और टेण्डर हुये, वर्क ऑर्डर होकर काम पूरे हो गये, उनका भुगतान क्यों नहीं हो रहा है। प्रदेश के 10 से 12 जिलों में अतिवृष्टि और बाढ़ के हालात है, मुख्यमंत्री कहीं नजर नहीं आ रहे हैं, केवल एक बार अपने विधानसभा क्षेत्र सांगानेर में रील बनाने के लिये गये थे, वहाँ भी उनका जनता ने विरोध कर दिया और विरोध के पोस्टर भी मुख्यमंत्री के खिलाफ लग गये जो शर्म का विषय है, क्योंकि मात्र डेढ़ वर्ष के शासन में ऐसी स्थिति उत्पन्न हो गई। सरकार का मैनेजमेंट हास्यास्पद है जो कैबीनेट मंत्री दूसरे मंत्री की शिकायत करने दिल्ली जाता है, उन दोनों को एक साथ अतिवृष्टि का जायजा लेने के लिये भेज दिया जाता है। अतिवृष्टि का जायजा लेने के लिये दौरे पर गये मंत्री कभी टंकी पर चढ़ रहे हैं, कभी जेसीबी पर चढ़ रहे हैं, हाल ही में 9 लोगों की अतिवृष्टि से मृत्यु हो गई, उन्हें पूछने वाला कोई नहीं है, स्कूलें बंद पड़ी है । डोटासरा ने कहा कि प्रदेश के शिक्षा मंत्री पूरे देश के शिक्षा मंत्रियों में सबसे अलग प्रकृति है क्योंकि प्रदेश में वाईस प्रिंसीपल के पद से प्रिंसीपल के पद की डीपीसी होने के बावजूद तीन महिने से पदस्थापन्न और काउन्सलिंग नहीं करवा पा रहे हैं। इस अवधि में प्रिंसीपल पद पर पदस्थापन्न की आस लिये हुये 500 शिक्षक तो रिटायर्ड भी हो गये हैं। दुर्भाग्य है कि तीन हजार से अधिक स्थानों पर दो प्रिंसीपल लगे हुये हैं, तीन बार काउन्सलिंग का कार्यक्रम जारी हो चुका है, आज से फिर काउन्सलिंग होगी, किन्तु पदौन्नत हुये प्रिंसीपल के पदस्थापन्न होने की सम्भावना नजर आ रही है, क्योंकि अभी तक कहीं वैकेंट पोस्ट नहीं दिखाई गई हैं बल्कि आरएसएस और भाजपा नेताओं के दबाव में तीन हजार से अधिक लोगों के पदस्थापन्न ट्रांसफर-पोस्टिंग के माध्यम से वैन लगे होने के बावजूद बीच सत्र में किये जाने के प्रयास हो रहे हैं, इस सरकार को छात्रों की पढ़ाई और शिक्षा से कोई सरोकार नहीं है, इसीलिये इस तरह की कवायद चल रही है।

उन्होंने कहा कि 1 सितम्बर, 2025 से विधानसभा सत्र प्रारम्भ हो रहा है, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली के नेतृत्व में कांग्रेस के सभी विधायक एकजुटता के साथ सरकार को घेरने का कार्य करेंगे, प्रश्न पूछा जायेगा कि सरकार पंचायत और नगर निकायों के चुनाव क्यों नहीं करवा पा रही है, राज्य निर्वाचन आयोग और सरकार के बीच क्या गतिरोध है कि चुनाव नहीं हो रहे हैं जबकि मई और जून में पंचायतों एवं निकायों के परिसीमन के कार्यों को पूर्ण करने शिड्यूल सरकार ने जारी किया था, वह परिसीमन का कार्य अभी तक सम्पन्न क्यों नहीं हुआ। परिसीमन का बजट नोटिफिकेशन क्यों नहीं जारी हुआ, जबकि अगस्त माह समाप्त होने को है। उन्होंने कहा कि विधानसभा में भाजपा की सरकार से आमजनता के सभी मुद्दों पर कांग्रेस जवाब मांगेगी तथा सरकार की अकर्मण्यता को आमजनता के सामने उजागर करेगी।

होटल फेडरेशन ऑफ़ राजस्थान के प्रतिनिधिमंडल ने लोकसभा अध्यक्ष से की मुलाकात

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। दिल्ली में आयोजित दो दिवसीय आधिकारिक दौरे में होटल फेडरेशन ऑफ़ राजस्थान के पदाधिकारियों का प्रतिनिधिमंडल विशेष आमंत्रण पर शामिल हुआ। फेडरेशन प्रतिनधियों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत से भेंट कर होटल उद्योग व पर्यटन से जुड़ी प्रमुख मांगें रखी, सरकार से होटल उद्योग के लिए कर रियायतें व हेरिटेज मान्यता विस्तार की गुहार लगाई।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला द्वारा पर्यटन और होटल उद्योग को बढ़ावा देने के लिए दिल्ली में फेडरेशन को दिए निमंत्रण पर बीकानेर, जयपुर, भरतपुर, कोटा, अजमेर, जोधपुर, माउंट आबू, सीकर, सवाई माधोपुर और उदयपुर संभागों से जुड़े फेडरेशन के पदाधिकारी 19 और 20 अगस्त 2025 को दिल्ली प्रवास पर रहे। होटल फेडरेशन ऑफ़ राजस्थान सवाई माधोपुर के जिलाध्यक्ष काजी अहतशामुद्दीन ने बताया की इस दौरान फेडरेशन के पदाधिकारियों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत से भेंट कर जनवरी मैं होने जा रहे ट्रैवल मार्ट की विस्तार से चर्चा की और होटल उद्योग व पर्यटन से जुड़ी अहम मांगें रखीं। इसमें 1000 रुपये तक के कमरे की टैरिफ पर जीएसटी से मुक्ति, 20 लाख तक की छूट सीमा को बढ़ाकर 40 लाख करने, हेरिटेज बिल्डिंग की मान्यता को 1951 से बढ़ाकर 1970 करने और होटल उद्योग को 5% जीएसटी की श्रेणी में रखने जैसे मुद्दे शामिल रहे। बैठक में फेडरेशन अध्यक्ष हुसैन खान, संरक्षक सुरेंद्र सिंह शाहपुरा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष रणविजय सिंह, कोटा संभाग अध्यक्ष अशोक महेश्वरी, उदयपुर संभाग अध्यक्ष राकेश चौधरी, जोधपुर संभाग अध्यक्ष पवन मेहता, भरतपुर संभाग अध्यक्ष अनुपम सिंह, माउंट आबू अध्यक्ष अरविंद बीकानेर संभाग अध्यक्ष गोपाल अग्रवाल महासचिव खुशाल पारीक समेत सभी संभागों के महासचिव और पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सरकारी अंतिम फरमान जारी नियम विरुद्ध टेक्सटाइल फैक्ट्रीयों पर लगेगा टैक्स भारी

सादिक हिन्दस्तानी

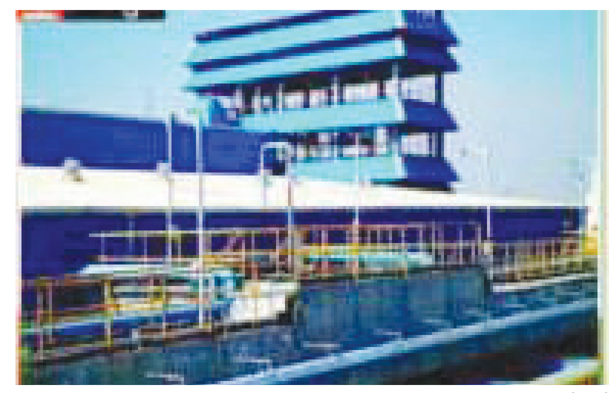

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। सांगानेर की सभी टेक्सटाइल फैक्ट्रीयों के लिए राजस्थान प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने अंतिम चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि सभी फैक्ट्री मालिकों को अगले 10 दिन में CETP या ZLD सिस्टम लगाना अनिवार्य कर दिया गया है। आदेश की अवहेलना करने पर सीधे फैक्ट्री बंद (Closure) कर दी जाएगी। यदि आपकी फैक्ट्री सांगानेर क्षेत्र में स्थित है। तो शीघ्र ही नियमों का पालन करें और और भारी भरकम दंड से बचें। जल और वायु अधिनियम के उल्लंघन पर बिना नोटिस कठोर कार्रवाई होना निश्चित है।

सर्व ब्राह्मण सम्मान समारोह को दिया अंतिम रूप

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। सर्व ब्राह्मण महासभा जयपुर देहात की बैठक महासभा कार्यालय में प्रदेश उपाध्यक्ष आनंद मिश्रा की अध्यक्षता में संपन्न हुई जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम शर्मा एवं जिला कोषाध्यक्ष गजानंद शर्मा ने बताया कि बैठक में महासभा के तत्वावधान में 31 अगस्त 2025 को उदयपुरिया- हरमाड़ा, में आयोजित होने वाले सर्व ब्राह्मण समाज प्रतिभा सम्मान समारोह कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया गया एवं पदाधिकारीयों को अलग-अलग जिम्मेदारी दी गई, कार्यक्रम को सुव्यवस्थित एवं भव्यतम बनाने के लिए विभिन्न उप समितियों का गठन किया गया कार्यक्रम संयोजक बनवारी लाल शर्मा एवं सुभाष तिवारी ने बताया कि सम्मान समारोह में कक्षा 10 एवं 12 में 75 प्रतिशत या अधिक स्नातक स्नातकोत्तर में 70% या अधिक राजकीय सेवा में चयनित एवं समाज की खेल प्रतिभाओं का अभिनंदन किया जाएगा। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष मुकेश मेहता, जिला सचिव राजेश मिश्रा, प्रभु दयाल शर्मा, एस के खांडल, महेंद्र शर्मा, राजेश शर्मा आदि पदाधिकारीयों ने कार्यक्रम को व्यवस्थित बनाने के लिए अपने विचार रखें ।

पृष्ठ एक का शेष....

भाजपा नेता राजेंद्र राठौड़ ने गहलोत......

गहलोत सरकार में अपराध के मामले में जहां राजस्थान टॉप पर था, वहीं भजनलाल सरकार ने अपराधियों की कमर तोड़ने का काम किया। प्रदेश की कानून व्यवस्था पहले की तुलना में काफी सुदृढ़ और मजबूत हुई है। राठौड़ ने कहा कि गहलोत साहब स्मार्ट मीटर लगाने का विरोध कर रहे है, जबकि गहलोत सरकार के समय ही राजस्थान डिस्कॉम द्वारा प्रदेशभर में 5.50 लाख से अधिक स्मार्ट मीटर लगा दिए गए थे। मैं प्रताप सिंह खाचरियावास से पूछना चाहता हूं कि आज स्मार्ट मीटर का विरोध करने वाले उस समय गहलोत का विरोध क्यों नहीं कर पाए। गहलोत ने अजमेर और जोधपुर डिस्कॉम में 2019 में ही स्मार्ट मीटरिंग करने के लिए कार्यादेश जारी कर दिए थे। गहलोत सरकार के कुप्रबंधन के चलते 2018—23 में डिस्कॉम पर 88 हजार करोड़ से अधिक का कर्जा हो गया था। जबकि भजनलाल सरकार ने फरवरी 2024 से तकनीकी एवं वित्तीय निविदाएं खोलकर कार्यादेश जारी किया और अप्रैल 2025 से स्मार्ट मीटर स्थापित करना शुरू किया। अब तक प्रदेश में जयपुर, अजमेर और जोधपुर डिस्कॉम में करीबन 3 लाख 48 हजार से अधिक स्मार्ट मीटर इंस्टॉल कर दिए गए है।

पृष्ठ एक का शेष....

केन्द्रीय पेट्रोलियम मंत्री व मुख्यमंत्री ने किया........

रिफाइनरी के बेहतर संचालन में राज्य सरकार देगी हरसंभव सहयोग—

मुख्यमंत्री ने बैठक में एचपीसीएल अधिकारियों को प्रदेश में सौर ऊर्जा उत्पादन एवं बैटरी स्टोरेज के लिए नवीन संभावनाएं तलाशने तथा सांभरा में रिफाइनरी द्वारा संचालित होने वाले अस्पताल को शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए। उन्होंने रिफाइनरी के उत्पादों की बिक्री संबंधी कार्ययोजना बनाने एवं सम्पूर्ण रिफाइनरी परिसर में अधिकाधिक पौधारोपण करने के निर्देश दिए। उन्होंने रिफाइनरी की महत्वपूर्ण इकाइयों के शीघ्र कार्यशील होने एवं पूर्ण क्षमता पर संचालन के लिए राज्य सरकार की ओर से हरसंभव सहयोग उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। इससे पूर्व पौधारोपण भी किया गया।

केन्द्र एवं राज्य के संयुक्त प्रयासों से रिफाइनरी के कार्यों में आई गति—

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रिफाइनरी की प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य एवं केन्द्र सरकार के संयुक्त प्रयासों से पिछले 6 माह में रिफाइनरी के कार्यों में उल्लेखनीय तेजी आई है और शीघ्र ही इसका संचालन प्रारंभ हो सकेगा। उन्होंने कहा कि यह रिफाइनरी स्थानीय युवाओं को रोजगार के साथ ही राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि हम पर्यावरण संरक्षण के साथ ही राज्य के चहुंमुखी विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस अवसर पर पशुपालन एवं डेयरी मंत्री जोराराम कुमावत, उद्योग एवं वाणिज्य राज्य मंत्री के.के. विश्नोई, सांसद राजेन्द्र गहलोत, विधायक हमीर सिंह भायल, डॉ. प्रियंका चौधरी, आदूराम मेघवाल, अरूण चौधरी सहित पूर्व केन्द्रीय राज्यमंत्री कैलाश चौधरी, मुख्य सचिव सुधांश पंत सहित विभिन्न उच्चाधिकारी एवं एचपीसीएल के अधिकारी मौजूद रहे।

स्वच्छता सर्वेक्षण 2025 की निरीक्षण टीम यदि नाहरवाड़ा रामगंज क्षेत्र में आ गई तो क्या होगा?

-चीते वालों का खुर्रा, रामगंज बाजार से नाहरवाड़ा तक दो कचरा डिपो है

-वार्ड का स्वास्थ्य निरीक्षक और उपस्वास्थ्य निरीक्षक और कचरा उठाने वाले ठेकेदार में है सांठगांठ

-यही आस-पास गंदी नालियों से बीमारी फैल रही है

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जब से नगर निगम हेरिटेज आयुक्त डॉक्टर निधि पटेल की नियुक्ति हुई है सफाई व्यवस्था में सुधार हुआ है। बाजारों से अतिक्रमण कम हुए हैं। लेकिन व्यवस्था पूरी तरह अभी तक पटरी पर नहीं आई है। नगर निगम हेरीटेज जयपुर की सुचारू व्यवस्था सक्रिय करना इतना आसान नहीं है। अखबारों की न्यूज़ में पढ़ने में आसानी से मिल जाता है कि निगम आयुक्त ने आज यहां वहां दौरा किया और अधिकारियों को कार्यवाही के आदेश दिए। लेकिन इन दौरों का कितना प्रभाव हो रहा है, के लिए डॉक्टर पटेल को बिना बताए उन्हीं स्थानों का दौरा करना चाहिए। इसमें कोई दौराय नहीं है कि डॉक्टर निधि पटेल बहुत मेहनती और काबिल आईएएस अधिकारी है और हेरिटेज नगर निगम क्षेत्र को साफ, स्वच्छ बनाने के लिए दिन रात मेहनत कर रही है। लेकिन निचले स्तर पर भ्रष्ट तंत्र उनकी मेहनत को अप्रभावी बनाता जा रहा है। मुख्यमंत्री संपर्क पोर्टल पर शिकायत करने पर स्वास्थ्य निरीक्षक जोन कमिश्नर झूठी निस्तारण की सूचना भेजते हैं। शिकायत निस्तारण की जानकारी संपर्क पोर्टल से फोन पर ली जाती है, उसका फिजिकल सत्यापन नहीं होता है और शिकायत

बंद कर दी जाती है। यदि ऐसी शिकायतों का सत्यापन नगर निगम आयुक्त द्वारा किया जाता है तो वार्ड नंबर 65 के स्वास्थ्य निरीक्षक के कार्यों का किया जा सकता है जिसने शिकायत का कई बार झूठ निस्तारण की सूचना अधिकारियों को दी है।

200 मीटर में एक नहीं दो कचरा डिपों,सर्वेक्षण टीम ने देखा तो रैंक गिरना तय

वार्ड 65 के स्वास्थ्य निरीक्षक एवं उपस्वास्थ्य निरीक्षक की लापरवाही एवं अयोग्यता के चलते मात्र 200 मीटर की दूरी के बीच दो कचरा डिपो बन गए हैं। यह कचरा डिपो चीते वाला खुर्रा, रामगंज बाजार से नाहरवाड़ा के बीच में है। यहाँ आस-पास गंदी नालियां भरी पड़ी है जिनके कारण वातावरण में बदबू फैल रही है और बच्चों में इंफेक्शन फैल रहा है। पोर्टल पर कई बार शिकायत की गई लेकिन स्वास्थ्य निरीक्षक ने झूठी निस्तारण की सूचना देकर शिकायत बंद करदी गई। यदि जयपुर सर्वेक्षण टीम सर्वे करने के लिए चीते वाले रास्ते और नाहरवाड़ा तक एवं आस-पास गलियों में आ गई तो नगर निगम आयुक्त डॉक्टर निधि पटेल की मेहनत दरी रह जाएगी और जयपुर हेरीटेज नगर निगम की स्वच्छता रैंक गिरकर नीचे आ जाएगी। इसलिए नगर निगम आयुक्त को अपने अधिकारियों के साथ इस क्षेत्र का दौरा करना चाहिए। बाजारों और मुख्य मार्गो तक दौरा सीमित रखना और शहर के अन्दरूनी भागो को छोड़ देना सही नहीं माना जा रहा है। पूरे जयपुर में यही हो रहा है जहां सफाई एवं अतिक्रमण पर कार्यवाही बाजारों एवं मुख्य मार्गो को तक सीमित रह गई है।

ओएसिस यूनानी क्लिनिक का उद्घाटन

-राजस्थान हाईकोर्ट बार काउंसिल के चेयरमैन एवं एडिशनल एडवोकेट जनरल भुवनेश शर्मा ने किया क्लिनिक का उद्घाटन

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । जयपुर के शास्त्री नगर क्षेत्र के रामनगर में एक और यूनानी क्लिनिक का शुभारंभ किया गया है । इस यूनानी क्लिनिक को "ओएसिस यूनानी क्लिनिक" के नाम से चलाया जाएगा । ओएसिस यूनानी क्लिनिक का उद्घाटन रविवार 24 अगस्त 2025 को समारोह के विशेष अतिथि राजस्थान हाईकोर्ट बार काउंसिल के चेयरमैन एवं एडिशनल एडवोकेट जनरल भुवनेश शर्मा, समारोह के मुख्य अतिथि रिटायर्ड मेडिकल ऑफिसर (यूनानी) डॉ. फरहान मंसूरी, सम्माननीय अतिथि राजस्थान वक्फ़ ट्रिब्यूनल जयपुर के सदस्य एडवोकेट शमीम अहमद कुरैशी के हाथों किया गया । ओएसिस यूनानी क्लिनिक पर ऐसे मरीजों का इलाज किया जाएगा, जो यूनानी पैथी में इलाज करवाना पसंद करते हैं। ओएसिस यूनानी क्लिनिक का संचालन डॉ.

तंजील खान एवं डॉ. सारा खान द्वारा किया जाएगा । दोनों ने ही यूनानी पैथी में डॉक्टर की डिग्री ली है। सबसे बड़ी बात यह है कि इन्होंने ओएसिस यूनानी क्लिनिक पर विशुद्ध रूप से यूनानी पैथी में इलाज करने का निश्चय किया है । वर्तमान में बड़ी संख्या में लोग यूनानी और आयुर्वेद पैथी में इलाज करवाना पसंद करते हैं । सभी जानते हैं कि यूनानी पैथी के इलाज के कोई साइड इफेक्ट्स नहीं होते हैं। यूनानी पैथी में इलाज से बीमारी भी जड़ से खत्म हो जाती है। इस अवसर पर एडवोकेट इकबाल खान, गुलाम मुर्तुजा, एडवोकेट मुनाजिर इस्लाम, ताज मोहम्मद, सैयद मासूम अली एडवोकेट वसीम खान और हितेंद्र सिंह सहित कई लोग शामिल हुए इस मौके पर उपस्थित लोगों ने उम्मीद जताई कि यह क्लिनिक यूनानी चिकित्सा पद्धति को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और जयपुर वासियों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करेगा।

Principal
Alfiya
M. 8094535201

Reg. No. - 503 / 1998-99
Director
Najmunnisa
M. 9667135201
Recognised by Raj. Govt.

Safiya Public Secondary School
S.R. PUBLIC SCHOOL
SAFIYA ENGLISH SCHOOL

AIR COOLED CLASS ROOMS
CCTV CLASS ROOMS
SCHOOL ADMISSION OPEN
Nursery to Xth
English & Hindi

Facilities
- Library
- Indoor Games
- Outdoor Games
- Smart Classrooms
- Art & Craft
- Qualified & Trained Teachers
- Dance & Music Class
- Picnic & Educational Tour
- Computer Lab
- Doctor Check-up
- Free Extra Classes

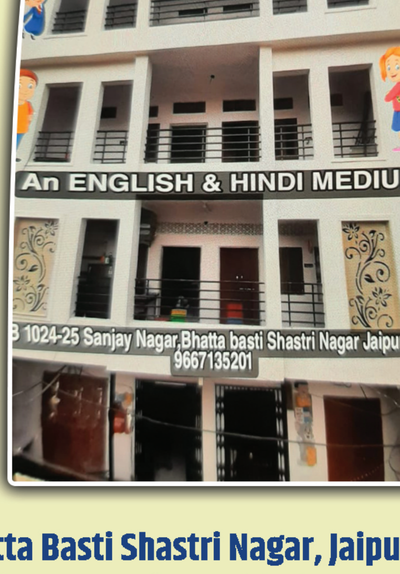

E-mail: safiyapublicssschool@gmail.com
Website: www.safiyapublicschool.com

B-1024-25, Sanjay Nagar, Bhatta Basti Shastri Nagar, Jaipur
I - 27, J P Colony, Shastri Nagar, Jaipur - 302016

ज़ुल्फ़िकार सचिव, यूनुस कुरैशी महासचिव और अब्दुल शफीक उपाध्यक्ष मनोनीत

-मुस्लिम वक्फ संपत्ति संरक्षण बोर्ड ने की नियुक्तियां

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । ऑल इंडिया मुस्लिम वक्फ संपत्ति संरक्षण बोर्ड के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहीस अहमद कुरैशी ने ज़ुल्फ़िकार को जिला सचिव, यूनुस कुरैशी को प्रदेश महासचिव और अब्दुल शफीक को जिला उपाध्यक्ष पद पर नियुक्त किया है । ज़ुल्फ़िकार (जिला सचिव), यूनुस कुरैशी (प्रदेश महासचिव) और अब्दुल शफीक (जिला उपाध्यक्ष) की नियुक्ति पर राष्ट्रीय मुख्य सलाहकार मोईनुद्दीन नारू, राष्ट्रीय विधि सलाहकार अकबर अली, राष्ट्रीय महासचिव अब्दुल रईस, प्रदेश अध्यक्ष ज़फ़र मिर्ज़ा एवं प्रदेश महासचिव एडवोकेट मुजाहिद अख़्तर, प्रदेश संगठन मंत्री आफताब हिन्दस्तानी एवं ज़िला प्रभारी शाहनवाज़ (लाला) ने उनका स्वागत किया ।ऑल इंडिया मुस्लिम वक्फ संपत्ति संरक्षण बोर्ड

नामूसे रिसालत पर पहरा देने के साथ-साथ देश समाज और कौम की अनेकों प्रकार से लगातार सेवाएं कर रहा है । यह सरकार द्वारा रजिस्टर्ड बोर्ड है। बोर्ड के अनेकों उद्देश्य हैं। जगह-जगह बोर्ड की शाखाएं खोलने और सदस्य नियुक्त करने का भी बोर्ड का एक मुख्य उद्देश्य है । इसी मुख्य उद्देश्यों के तहत ज़ुल्फ़िकार (जिला सचिव), यूनुस कुरैशी (प्रदेश महासचिव) और अब्दुल शफीक (जिला उपाध्यक्ष) की ख्वाहिशों का सम्मान करते हुए उनको बोर्ड का सदस्य नियुक्त किया गया है। बोर्ड को उम्मीद है कि तीनों तन, मन, धन और अपना वक्त लगाकर इस्लामी शरीयत व भारतीय संविधान के अनुसार ही बोर्ड के उद्देश्यों के लिए काम करते हुए बोर्ड को मजबूत बनाने में अपनी भागीदारी निभाएंगे।

मंसूरी समाज कठेड़ा की सामूहिक गोठ व स्नेह मिलन समारोह सम्पन्न

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । मंसूरी समाज कठेड़ा जयपुर की सामूहिक गोठ व स्नेह मिलन प्रोग्राम सीकर रोड स्थित सनशाइन रिसोर्ट एवं वाटर पार्क में आयोजित हुआ । प्रोग्राम में मंसूरी समाज के लगभग 500 लोगों ने भाग लेकर गोठ का लुफ्त उठाया और इनामी प्रतियोगिता में शामिल होकर अपनी-अपनी किस्मत आजमाई । मंसूरी समाज के सलाहकार मंत्री हाजी गुलाम रसूल सांखला ने बताया कि प्रोग्राम में सम्मिलित सभी 12 साल से कम आयु वर्ग के बच्चों को समाज के सदर हाजी अब्दुल अजीज मंसूरी मानसरोवर और पूर्व नायब सदर लाडयाजी सांखला पुरानी बस्ती वालों ने पुरूस्कार देकर सम्मानित

किया । समाज के 36 लोगों को इनामी ड्रॉ प्रतियोगिता में चयनित कर पारितोषिक किया गया। मंसूरी समाज के इस प्रोग्राम के सफल आयोजन के लिए आयोजनकर्ता हनीफ गौरी झोटवाड़ा, हनीफ सांखला छोटी चौपड़ और हाजी महबूब मानसरोवर सभी ने भूरी-भूरी प्रसंशा की और कौम की एकता और खुशहाली के लिए ऐसे प्रेरणादायक प्रोग्राम आयोजित किए जाने का स्वागत किया। अंत में सभी आगंतुकों ने स्वादिष्ट दाल बाटी चूरमा का आनंद लिया।

एडवोकेट नईमुद्दीन अकील को भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी का जयपुर शहर का सचिव चुना गया

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी जयपुर का ज़िला सम्मेलन 24 अगस्त को स्वामी कुमारानन्द भवन, जयपुर में कॉमरेड विनोद राय, संजीव कुमार एवं जौहरी लाल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। सम्मेलन में कॉमरेड रमेश शर्मा को जयपुर ग्रामीण और एडवोकेट नईमुद्दीन अकील को जयपुर शहर का सचिव चुना गया। सम्मेलन में पार्टी का झंडारोहण कॉमरेड प्रेमजी और सुनीता चतुर्वेदी ने किया और पार्टी के संघर्ष और गौरवशाली इतिहास को बताया। सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए पार्टी के राज्य सचिव कॉमरेड नरेन्द्र आचार्य ने केन्द्र व राज्य सरकार की जन विरोधी नीतियों के खिलाफ लामबध होने के लिए कहा। आचार्य ने कहा कि वर्तमान में संविधान, लोकतंत्र और देश की एकता के समक्ष गंभीर चुनौतियाँ हैं, जिनको लेकर इंडिया गठबंधन संघर्ष कर रहा है। आचार्य ने पार्टी के स्थापना के 100 साल पूरे होने पर उसके गौरवशाली इतिहास को बताते हुए संगठनात्मक स्वरूप को सुदृढ़ करते हुए पार्टी के राजनीतिक हस्तक्षेप बढ़ाने के लिए कहा।

पार्टी का राज्य सम्मेलन 15-16 सितंबर 2025 को उदयपुर में होने जा रहा है और राष्ट्रीय महा अधिवेशन 21 से 25 सितम्बर 2025 को चण्डीगढ़ में होने जा रहा है । सम्मेलन का संचालन करते हुए कुणाल रावत ने गत तीन वर्षों की गतिविधियों की रिपोर्ट पेश की। सम्मेलन को कॉमरेड सुनीता चतुर्वेदी, कॉमरेड रमेश शर्मा, मीनाक्षी बिन्दौरिया आदि ने संबोधित किया। सम्मेलन में कई प्रस्ताव पारित किए गए जिनमें श्रम क़ानूनों में बदलाव का विरोध, महंगाई, बेरोज़गारी, एमएसपी क़ानून बनाने, निजीकरण, शिक्षा के साम्प्रदायिकता के खिलाफ आदि सम्मेलन का संचालन करते हुए कुणाल रावत ने गत तीन वर्षों की गतिविधियों की रिपोर्ट पेश की। सम्मेलन को कॉमरेड सुनीता चतुर्वेदी. कॉमरेड रमेश शर्मा, मीनाक्षी बिन्दौरिया आदि ने संबोधित किया। सम्मेलन में भाकपा के पूर्व महासचिव सांसद कॉमरेड सुधाकर रेड्डी, किसान सभा के पूर्व महासचिव का अतुल कुमार अंजान, कामरेड अच्युतानंदन, माकपा के पूर्व राज्य सचिव सीताराम येचुरी, भाकपा के राज्य सचिव रहे रतिराम यादव को श्रद्धांजलि दी गई। सम्मेलन में 43 सदस्यीय कॉन्सिल का चयन किया गया।

जयपुर में कैटरिंग उद्योग का सबसे बड़ा और ऐतिहासिक आयोजन

-आठवां कैटरर्स एक्सपो 2025 आयोजित

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। एंटरटेनमेंट पैराडाइस ईस्ट लॉन, जवाहर सर्किल में भव्य अंदाज़ में आठवां कैटरर्स उद्योग का सबसे बड़ा और इतिहासिक आयोजन शुरू हुआ। मंच पर सजे राजस्थान की राजनीति के दिग्गज – कैबिनेट मंत्री झाबर सिंह खर्रा और जोगाराम पटेल, हवामहल विधायक स्वामी बालमुकुंदाचार्य, ग्रेटर नगर निगम महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर, कांग्रेस विधायक रफीक़ खान और आमीन कागज़ी, साथ ही भाजपा नेता रवि नय्यर और पूर्व सांसद रामचरण बोहरा मौजूद थे। खास बात यह रही की यहाँ – जयपुर के नामचीन सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर भी आयोजन में मौजूद रहे। जयपुर केटर्स समिति अध्यक्ष मनोज सेवानी ने बताया – "ये एक्सपो

राजस्थान ही नहीं, बल्कि पूरे देश में कैटरिंग और होटल मैनेजमेंट का सबसे बड़ा मंच है।" यहाँ यह प्रदर्शित किया गया कि – आधुनिक किचन इक्विपमेंट,लेटेस्ट कैटरिंग टेक्नॉलॉजी,और छोटे-बड़े व्यवसायिक उपकरण,यह आयोजन उद्योग से जुड़े कारोबारियों को देगा नए व्यापारिक अवसर, नेटवर्किंग का शानदार प्लेटफॉर्म और राजस्थान को बनाएगा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कैटरिंग इंडस्ट्री का हब। जयपुर से शुरू हुआ यह भव्य कैटरर्स एक्सपो, उद्योग की प्रगति को देगा नई दिशा... और पेशेवर क्षमता व नवाचार को करेगा पूरे देश के सामने प्रदर्शित।

वोट चोरी करना लोकतंत्र को कमजोर करना है - डॉ. मोहम्मद शोएब

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश सचिव डॉ. मोहम्मद शोएब ने कहा की भारत का लोकतंत्र जनता की भागीदारी और उसके मताधिकार पर आधारित है। लेकिन हाल के दिनों में जिस तरह के मामले सामने आए हैं, वे इस व्यवस्था की साख पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाते हैं। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने संसद में खुलासा किया कि देश में योजनाबद्ध तरीके से वोट चोरी की जा रही है और चुनाव आयोग इस पर खामोश है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि बड़ी संख्या में ज़िंदा लोगों को मृत घोषित कर उनके नाम वोटर लिस्ट से हटा दिया गया। जिन परिवारों के लोग सालों से मतदान करते आ रहे थे, अचानक उन्हें सूची से बाहर कर दिया गया। यह स्थिति केवल एक तकनीकी गलती नहीं बल्कि गंभीर लापरवाही या फिर किसी साज़िश का संकेत देती है। लोकतंत्र में वोट देना केवल एक अधिकार नहीं बल्कि हर नागरिक की पहचान और सम्मान है। अगर किसी के मताधिकार को इस तरह

छीना जाता है, तो यह सीधे-सीधे संविधान की भावना के विपरीत है। राहुल गांधी ने सही कहा कि चुनाव आयोग को निष्पक्ष रहकर जनता के विश्वास को कायम रखना चाहिए, लेकिन मौजूदा हालात में उसकी भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं। कांग्रेस पार्टी ने इस मुद्दे को संसद और सड़कों दोनों पर मजबूती से उठाया है। हमारी माँग है कि जिन मतदाताओं के नाम गलत तरीके से हटाए गए हैं, उन्हें तुरंत बहाल किया जाए और इस पूरी प्रक्रिया की निष्पक्ष जांच हो। याद रखना होगा कि वोट सिर्फ़ एक पर्ची नहीं है, यह लोकतंत्र की आत्मा है। यदि जनता का विश्वास टूटेगा, तो लोकतंत्र भी खोखला हो जाएगा।

महिला सशक्तिकरण को आयाम देती है जयपुर की बेटी तहरीन खान

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । ईदगाह निवासी तहरीन खानम ने प्राथमिक शिक्षा सैयद पब्लिक सीनियर सैकेंडरी स्कूल, वन विहार जयपुर से 12वीं करने के बाद इस्लाम को जानने के लिए अल जामिया तुल आलिया स्कूल से आलिमियत की और राजस्थान विश्वविद्यालय से एम.ए. किया। तहरीन कागज या घर का फालतू सामान से कला और शिल्प तैयार करती हैं। यह हुनर उन्हें अपनी माँ से मिला है। उनकी बड़ी बहन भी यही कार्य करती हैं। गूगल पर तहरीन खान का नाम लिखते ही उनकी पूरी जानकारी उपलब्ध हो जाती है। हाल ही में जयपुर के अजमेर रोड स्थित होटल Foxoso Fiori

में आयोजित कार्यक्रम में भारत के टॉप 50 स्कूल डायरेक्टर्स और 100 शिक्षकों को सम्मानित किया गया, जिसमें तहरीन खान को भी सम्मानित किया गया। तहरीन खान सोशल मीडिया पर भी खूब एक्टिव हैं, उनके यूट्यूब पर 8 मिलियन फॉलोवर्स हैं।

"मैं भी गांधी" कार्यक्रम आयोजित

-महात्मा गांधी भी अधिवक्ता,हम उन्हीं के शिष्य

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। महात्मा गांधी स्वदेश फाउंडेशन की ओर से "मैं भी गांधी" कार्यक्रम का भव्य आयोजन शास्त्री नगर स्थित सुभाष नगर शॉपिंग सेंटर सामुदायिक केन्द्र में किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जयपुर के अधिवक्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बापू महात्मा गांधी के स्वदेशी विचारों, आत्मनिर्भरता और सांप्रदायिक सौहार्द के सिद्धांतों को जन-जन तक पहुंचाना रहा। वक्ताओं ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने देश की आज़ादी के लिए जो अमूल्य योगदान दिया, उसे कोई भारतीय भुला नहीं सकता। आज भी ज़रूरत है कि हम गांधीजी के आदर्श उसूलों और अहिंसा के मार्ग पर चलकर नवभारत का निर्माण करें। कार्यक्रम में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, विधायक रफीक खान, पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास, कांग्रेस जिला अध्यक्ष आर आर तिवारी, कांग्रेस नेता सुनील शर्मा, विवेक बंसल सहित कई गणमान्य लोग शामिल हुए और गांधी विचारधारा को आत्मसात करने का संकल्प लिया।

राजस्थान पुलिस द्वारा आयोजित "सशक्त नारी - जिम्मेदारी हमारी" कार्यक्रम

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । पुलिस प्रशासन द्वारा आयोजित "सशक्त नारी - जिम्मेदारी हमारी" कार्यक्रम के तहत खटीक समाज के सामुदायिक भवन में सैंकड़ों महिलाओं के बीच थाना रामगंज के सीओ ने अपनी बात रखी । पुलिस की इन्द्रा ने ऐप को लेकर जानकारी दी। वहाँ के पार्षद ने भी अपनी बात रखी, निशात हुसैन ने महिलाओं को खुद का उदाहरण देकर बताया कि मैं मुस्लिम महिला होते हुए सारी रिवायत तोड़ कर अपनी ताकत को पहचान कर आज यहाँ आपसे बात कर रही हूँ

। जहाआरा ने बताया कि संस्था द्वारा ट्रेनिंग की जाती है, हम ट्रेनिंग देने को तैयार हैं । पुलिस के इस कार्यक्रम में उपस्थित सभी बहनों ने इसकी प्रशंसा की।

रॉयल पत्रिका को पेमेंट करने का तरीका

रॉयल पत्रिका में भुगतान नकद या चेक द्वारा रॉयल पत्रिका के पंजाब नेशनल बैंक, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर के खाता संख्या 1939002100241695 में या पंजाब नेशनल बैंक की किसी भी नजदीकी शाखा में जमा करवा सकते हैं अथवा IFSC Code PUNB0193900 पर भी भुगतान नेट बैंकिंग के द्वारा कर सकते हैं। आपके सहयोग के लिए धन्यवाद।

-संपादक

Scan Here

रॉयल पत्रिका

संपादकीय...

मोदी ट्रंप की दोस्ती दुश्मनी में बदली

ट्रंप अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव जीते तो भारत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दोस्त की जीत बताया गया। ट्रंप को हिंदुत्व का साथ देने वाला शासक बताया गया। ट्रंप की जीत पर हवन किया और खुशी मनाई गई। लेकिन ट्रंप और मोदी की दोस्ती ज्यादा दिन नहीं चली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री की दोस्ती को ज्यादा अहमियत नहीं दी। अमेरिका दौरे के दौरान संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस के समय पत्रकारों द्वारा मोदी की बेइज्जती करवाई। ट्रंप को पता था कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सीधे तौर पर पत्रकारों के जवाब नहीं देते हैं फिर भी अमेरिकी राष्ट्रपति ने दोनों राष्ट्रीय अध्यक्षों की संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस आयोजित करवाई। इसी तरह भारत-पाकिस्तान युद्ध विराम को लेकर डोनाल्ड ट्रंप ने 28 बार कहा कि मैंने भारत-पाकिस्तान का युद्ध रुकवाया है। बार-बार ऐसा वक्तव्य देकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मोदी और भारत देश की बेइज्जती की है। जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की संसद में कहा कि भारत-पाकिस्तान युद्ध विराम में किसी देश की प्रत्यक्ष भूमिका नहीं है। मोदी अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बहुत गहरा दोस्त मानते थे और मुलाकात के दौरान गले मिलकर स्नेह का इजहार करते थे। लेकिन वही डोनाल्ड ट्रंप अब प्रधानमंत्री मोदी और भारत के साथ सौतेला व्यवहार कर रहे हैं। अब ऐसा लगने लगा है कि इजरायल के साथ भी भारत की दोस्ती ज्यादा दिन चलने वाली नहीं है। क्योंकि इजरायल अंदरूनी तौर पर अमेरिका का प्रोक्सी देश है। पश्चिम एशिया में मुस्लिम देशों को नियंत्रित करने के लिए अमेरिका ने इजरायल को विकसित किया है। इजरायल जो भी करता है अमेरिका के इशारे पर करता है। बिना अमेरिका के इजरायल का अस्तित्व ज्यादा दिन तक नहीं रहने वाला है। इजरायल के मुस्लिम विरोधी नीतियों के कारण भारत की भाजपा सरकार ने इजरायल से नजदीकियां बढ़ाई और इजरायल का हर तरह से समर्थन किया है। मोदी सरकार ने इजरायल की सहायता करने से पहले फिलिस्तीन और मुस्लिम देशों के हितों का भी ध्यान नहीं रखा। जबकि भारत की पूर्ववर्ती सरकारों ने हमेशा स्वतंत्र फिलीस्तीन की पैरवी की थी। मोदी सरकार ने हमास, हिजबुल्ला और ईरान युद्ध के समय इजरायल को हजारों की संख्या में मैनपावर की आपूर्ति की जो भारत के हित में नहीं कहा जा सकता है। अब मोदी जी की दोस्ती डोनाल्ड ट्रंप से नहीं रही है। इसलिए माना जा रहा है कि इजरायल से भी भारत की दोस्ती ज्यादा टिकने वाली नहीं है। दूसरी तरफ इजरायल पूरी तरह बर्बाद देश बन चुका है। इजरायल का भविष्य भी अंधकार में दिखाई देता है। इजरायल को मजबूरी में फिलीस्तीन को आजाद करना पड़ेगा। इजरायल और भारत की दोस्ती भारत के हित में नहीं हो सकती है। क्योंकि भारत, इजरायल और मुस्लिम देशों का एक साथ दोस्त नहीं बना सकता है। देश की आर्थिक तरक्की के लिए मुस्लिम देशों के साथ व्यापार करना जरूरी है। वैसे जब से मोदी जी की दोस्ती डोनाल्ड ट्रंप से बिगड़ी है तब से चीन और रूस से दोस्ती बढ़ी है। रूस पहले भी भारत का दोस्त रहा है। लेकिन चीन से दोस्ती करने में मोदी जी को सतर्क रहना होगा। क्योंकि चीन अपने आप को शक्तिशाली बनाने के लिए कुछ भी कर सकता है। कभी भी बदल सकता है। जबकि मोदी जी की नीति भावनात्मक ज्यादा है। देश से ज्यादा हिंदूत्व और मुस्लिम विरोध पर ज्यादा आधारित है।

माँ बाप के हुकूक

यह बात है सन 937 ईस्वी की, यूरोप में जब यह फैसला लिया गया कि अस्पताल केवल मरीज़ों के इलाज के लिए ही नहीं, बल्कि उन बुज़ुर्गों की रहने की व्यवस्था के लिए भी बनाए जाएँ जिनका सहारा देने वाला कोई न हो। उसी समय इंग्लैंड के राजा एथेलस्टैन ने यॉर्क में सेंट पीटर हॉस्पिटल बनवाया। और इस प्रकार के अस्पतालों को ही पहले का ओल्ड एज होम माना जाता था, जो बुज़ुर्गों की सेवा के लिए बनाए गए थे। एथेलस्टैन को यह विचार तब आया जब उन्होंने यॉर्क के कैथेड्रल के पादरियों को अपने निजी पैसों से ग़रीबों को खाना खिलाते देखा। उन्होंने सोचा कि इसे स्थायी बना देना चाहिए, इसलिए उन्होंने इसके लिए धन दिया और इमारत बनवाई। यह अस्पताल पूरी तरह चैरिटी पर चलते थे — लोग दान करते और वहाँ रहने वाले अनाथ बुज़ुर्गों की देखभाल की जाती। धीरे-धीरे यही सिलसिला आज के ओल्ड एज होम के रूप में बदल गया। लेकिन सवाल यह है कि उस समय वे कौन से बुज़ुर्ग थे जिनकी देखभाल के लिए इतना बड़ा सिस्टम बनाना पड़ा, जो आज भी देखने को मिलता है?

उस दौर में लोगों के ओल्ड एज होम में आने की तीन सबसे बड़ी वजह थीं —

1. परिवार या बच्चे युद्ध में शामिल होते और मारे जाते — तब उनके माँ-बाप की देखभाल ओल्ड एज होम में की जाती।
2. रिश्तेदार या परिवार का सहारा न होना — कई लोग शादी नहीं करते, या तो चर्च के लिए अपने को समर्पित कर देते, या फिर दुनियावी तरक्की के लिए शादी नहीं करते (यह कारण आज भी मौजूद है)।
3. कमाने के लिए दूर जाना — लोग अपने माँ-बाप से दूर काम करने चले जाते और उन्हें ओल्ड एज होम में छोड़ देते।

इसके असर आज हमें भारत में भी दिखते हैं, जबकि भारत एक धार्मिक देश है जिसमें माँ-बाप का सम्मान सिखाया जाता है। लेकिन अफसोस की बात यह है कि आज भारत में भी 4000 से अधिक ओल्ड एज होम हैं। इसकी क्या वजह है, जबकि न तो अब वैसी युद्ध की स्थिति है, और अगर है भी तो परिवारिक व्यवस्था मौजूद है?

आख़िर क्यों लोग अपने माँ-बाप को ओल्ड एज होम में भेज देते हैं? क्या वहाँ उनके माँ-बाप उतने ही खुश रहते हैं जितने अपने बच्चों के साथ? असल में, धर्म से दूरी और पश्चिमी सोच का असर एक बड़ा कारण है — केवल इस आधार पर कि वहाँ के लोगों के पास पैसा ज़्यादा है, वे अमीर हैं, तो ज़ाहिर है वे हँसी-ख़ुशी जीवन जी रहे होंगे। लेकिन ऐसा नहीं है। इस दुनिया में सबसे ज़्यादा आत्महत्याएँ अगर कहीं होती हैं तो वह है ग्रीनलैंड — जबकि वह भारत से कहीं अधिक विकसित है, जीवन-स्तर बेहतर है, प्रदूषण भी कम है, फिर भी लोग जीवन से परेशान हैं। इससे यह साफ़ है कि पैसों से ख़ुशी नहीं खरीदी जा सकती। और जहाँ तक सवाल है — ओल्ड एज होम में रहने वाले और परिवार के साथ रहने वालों में से सबसे अधिक कौन खुश रहता है — तो नेशनल लाइब्रेरी ऑफ़ मेडिसिन के मुताबिक, जिन बुज़ुर्गों का जीवन अपने परिवार के साथ बीतता है, उनकी क्वालिटी ऑफ़ लाइफ ओल्ड एज होम वालों की तुलना में कहीं बेहतर होती है। मतलब, माँ-बाप को दूर करके उनकी बददुआ भी ली और तरक्की भी नहीं मिली — क्योंकि जो लोग सबसे ज़्यादा तरक्कीशुदा हैं और अपने माँ-बाप से दूर रहते हैं, उनमें ही सबसे ज़्यादा डिप्रेशन है।

अब समाधान की तरफ चलते हैं — सबसे पहले, अल्लाह का डर। अगर यह डर निकल गया कि हमें हिसाब देना है, तो फिर जो दिल में आए करेंगे। लेकिन अगर हिसाब का डर हो, तो अल्लाह तआला फ़रमाता है —

सूरह अल-अंबिया (21:47)

"और हम क़यामत के दिन सही-सही तोलने वाले तराज़ू रख देंगे, फिर किसी पर ज़ुल्म न होगा। अगर कोई चीज़ राई के दाने के बराबर भी होगी, हम उसे लेकर आएंगे। और हम हिसाब लेने के लिए काफी हैं।" अल्लाह तआला आपके माँ-बाप के बारे में भी सवाल कर सकता है। लेकिन यह सब तभी असरदार होगा जब ईमान होगा — अगर ईमान ही नहीं और अपने मनमाने तरीक़े से ज़िंदगी गुजारनी है तो फिर जो दिल में आए करते रहो।

-मोहम्मद सोहेल

आखिर मुसलमान इंसाफ की उम्मीद किससे रखें ?

आज देश में मुसलमान होना ही एक तरह का जुर्म हो गया है। सत्ता में बैठे लोग उनके खिलाफ नफरत फैला रहे हैं। न्यायपालिका सहित सभी संवैधानिक संस्थाएं खामोश हैं?

आज देश में मुसलमान होना ही एक तरह का जुर्म हो गया है। सत्ता में बैठे लोग उनके खिलाफ नफरत फैला रहे हैं। न्यायपालिका सहित सभी संवैधानिक संस्थाएं खामोश हैं? ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर मुसलमान इंसाफ की उम्मीद किससे रखें। यह सब सवाल इसलिए उठ रहे हैं कि भाजपा शासित राज्यों की सरकारें लगातार मुसलमानों के संवैधानिक अधिकारों को छीन रही है। उनको हाशिये पर धकेल रही है। इस बार स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से देश को संबोधित करते हो हुए तो प्रधानमंत्री मोदी जी ने सारी स्थापित परंपराओं को दर किनार कर दिया। उन्होंने संघ को विश्व का सबसे बड़ा एनजीओ बताते हुए उसे देश सबसे बड़ा देश भक्त संगठन घोषित कर दिया। यह वह संगठन है जिसका देश की आजादी में कोई योगदान नहीं था और मुसलमानों के खिलाफ इस संगठन की नफरत किसी से छुपी हुई नहीं है। इस संगठन के दूसरे संघ सरचालक गुरु गोवलकर ने एक पुस्तक "द बंच ऑफ थोट" लिखी थी। जिसमें उन्होंने खुलकर देश को हिंदू राष्ट्र बनाने की घोषणा की थी। उसी में उन्होंने बताया था कि हिंदू राष्ट्र कैसा होगा। उस राष्ट्र में मुसलमानों और ईसाई के लिए क्या व्यवस्था होगी। गुरु गोवलकर हिंदू राष्ट्र बनाने में चार बाधाएं मानते थे एक मुसलमान दूसरे वामपंथी और तीसरे ईसाई चौथे दलित। सबसे पहले उन्होंने वामपंथियों को निशाना बनाया और धीरे-धीरे उसे खत्म कर दिया। ले देकर कुछ वामपंथी केरल में बचे हैं। लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर उनकी भूमिका को नष्ट कर दिया। फिर दलितों पर फोकस किया और जो दलित इस देश का मूल निवासी था। उसके एक बहुत बड़े हिस्से का हिंदुकरण करने में संघ कामयाब रहा। यह वही दलित वर्ग है जो धार्मिक जुलूसों में मस्जिदों के सामने नाच रहा है। दरगाहों और मस्जिदों में तोड़फोड़ करके व उन पर भगवा झंडा फहरा रहा है। कावड़ यात्रा में मुसलमानों पर हमले कर रहा है। यानि दलितों वाला रोड़ा हटाने में भी संघ कामयाब हो गया। अब बच रहे मुसलमान और ईसाई तो पहली बार ईसाइयों की संख्या कम है और उन्होंने लगभग समर्पण भी कर दिया है। जिन्होंने नहीं किया उनके साथ मणिपुर कांड किया गया और मैसेज दिया कि समर्पण कर दो अन्यथा मणिपुर जैसा कांड अन्य ईसाई बहुल राज्यों में भी दोहराया जा सकता है। अब बच रहे हैं मुसलमान जो देश की दूसरी सबसे बड़ी आबादी है। इसलिए यह हिंदू राष्ट्र के सपने में सबसे बड़ी बाधा है। इसलिए भाजपा शासित राज्यों में लगातार इनको निशाना बनाया जा रहा है, ताकि यह भी समर्पण कर दें, बंगाल में क्योंकि भाजपा की सरकार नहीं है तो बांग्ला भाषी मुसलमानों को भाषा के आधार पर निशाना बनाया जा रहा है। जो भी मुसलमान बांग्ला भाषी है उसे बांग्लादेशी बताकर अवैध घुसपैठिया बताकर यातनाएं दी जा रही हैं । सवाल यह है कि सीमाओं की सुरक्षा की जिम्मेदारी केंद्र सरकार और केंद्रीय एजेंसियों की होती है और ग्यारह साल से तो केंद्र में भाजपा की सरकार है। फिर अवैध बांग्लादेशियों की घुसपैठ कैसे हुई ? अगर हुई तो फिर केंद्र की सरकार और केंद्र की एजेंसियां क्या कर रही थीं ? लेकिन इस सवाल का जवाब देने को कोई तैयार नहीं है। उनका मकसद सवाल का जवाब देना भी नहीं है। उनका मकसद है मुसलमानों को परेशान करना और उनकी नागरिकता छीनना। क्योंकि गोवलकर के हिन्द राष्ट्र की परिकल्पना में स्पष्ट किया था कि मुसलमान और ईसाई इस देश में रह सकते हैं। लेकिन उनका कोई नागरिक अधिकार नहीं होगा। वोट डालने का अधिकार भी नहीं होगा यानि हिंदुओं के रहमो करम पर इस देश में रह सकते हैं और भाजपा की सरकारें देश के मुसलमानों के लिए ऐसे ही हालात पैदा करने में लगी हुई हैं । बात करते हैं भाजपा शासित राज्य सरकारों की । महाराष्ट्र की सरकार ने सावन के महीने में सारे मीट की दुकान बंद करवा दी, जिससे हजारों मुसलमानों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया। कानून बनाकर मस्जिदों पर माइक से अजान पर पाबंदी लगा दी। असम का मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा को संविधान की परवाह ही नहीं है। वह संविधान का धत्ता बताते हुए खुले आम देश को हिंदू राष्ट्र बता रहा है और न्यायपालिका में हिम्मत नहीं हुई कि कैसे वे खुले आम संविधान विरोधी कार्य कर रहे हैं। क्योंकि संविधान के अनुसार तो भारत एक धर्म निरपेक्ष राष्ट्र है। असम में मुख्यमंत्री ने लगभग राज्य के चार सौ मदरसे बंद करवा दिए। इतना ही नहीं बरसात में बीस हजार मुस्लिम परिवारों के घरों पर बुलडोजर चला दिया और बरसात में खुले में ला पटका। लेकिन दूसरी तरफ मुख्यमंत्री ने एक जिले की 9000 एकड़ जमीन उद्योग लगाने के लिए मुफ्त में अडानी को दे दी और इस अन्याय के खिलाफ किसी भी संवैधानिक संस्थान ने अब तक कोई कार्यवाही नहीं की है। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर धामी तो उत्तराखंड को ही मुस्लिम मुक्त बनाना चाहता है। वहां लगातार दरगाहों को हटाया जा रहा है, मस्जिदों को तोड़ा जा रहा है। अब तो मुख्यमंत्री ने ऐलान कर दिया है कि वह उत्तराखंड में मदरसा बोर्ड को बंद कर रहे हैं। यानि स्कूल आप खोलेंगे नहीं और मदरसा बोर्ड को बंद कर देंगे तो सीधा सवाल उठता है कि आप मुसलमान बच्चों से शिक्षा हासिल करने का अधिकार छीन लेना चाहते हैं। धार्मिक शिक्षा हासिल करना उनका संवैधानिक अधिकार है। पुष्कर धामी उस अधिकार को छीन लेना चाहते हैं। उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी जी का तो जवाब ही नहीं है। उन्होंने राज्य की हजारों स्कूलों को बंद कर दिया है। लगातार मदरसों को बंद कर रहे हैं । उनकी राज्य के विकास या कानून व्यवस्था सुधारने में कोई दिलचस्पी नहीं है। उनका विकास मॉडल है जिन शहरों का नाम मुसलमानों के नाम पर है उनके नाम बदले जा रहे हैं। चाहे इलाहाबाद हो या मुगल सराय हो उनके नाम बदल दिए गए हैं। कावड़ यात्रा पर मुस्लिम दुकानदारों को लगातार परेशान किया जा रहा है। हर राज्य में चारागाह भूमि होती है, उत्तर प्रदेश में भी है और इस भूमि पर कब्जा करने में सभी समुदाय के लोग शामिल हैं। लेकिन योगी जी की सरकार ने आदेश निकाला कि जिस चारागाह भूमि पर यादवों और मुसलमानों ने कब्जा कर रखा है उसका अतिक्रमण हटाया जाए और अतिक्रमण करने वालों पर कठोर कार्रवाई की जाए । जब आदेश राष्ट्रीय मुद्दा बना तो योगी जी को मजबूर होकर यह भेदभाव पूर्ण आदेश वापस लेना पड़ा है। योगी जी का एक आदेश आज कल बहुत चर्चा में है मुरादाबाद के मुस्लिम बैंड वालों को आदेश दिया गया है कि यदि उनके बैंड का नाम हिंदू देवी देवता जैसे शिव बैंड या श्री बैंड जैसा है तो फौरन उसे हटाए और बैंड का मुस्लिम नाम रखें। यह है उत्तर प्रदेश के योगी जी का विकास मॉडल । राजस्थान हमेशा से एक शांत प्रदेश रहा है, लेकिन अब इसको भी अशांत करने के प्रयास शुरू हो गए हैं। यहां भी धार्मिक जुलूसों, मस्जिदों के आगे नाच गाने शुरू हो गए हैं। चिकित्सा जिसको सेवा का काम माना जाता है। इसमें भी साम्प्रदायिकता को घुसाया जा रहा है। गत दिनों टोंक में एक मुस्लिम ट्रेनी चिकित्सक के हिजाब को लेकर एक सीनियर हिंदू डॉक्टर ने बखेड़ा खड़ा कर दिया। पूरे शहर को सांप्रदायिकता की आग में झोंकने का प्रयास हुआ। जयपुर में तो एक विधायक है हवामहल से वे जब से चुनाव जीते हैं तब से कोशिश कर रहे हैं कि कैसे जयपुर का आपसी भाईचारा खत्म हो। वह हमेशा खुद को संविधान से ऊपर समझते हैं। कभी वह मुसलमानों की मीट होटल में चेक करने चले जाते हैं। कभी शियाओं के इमामबाड़े के कागज चेक करने चले जाते हैं। कभी मुसलमानों के आधार कार्ड चेक करने चले जाते हैं। इस बार तो उन्होंने सारी हदें पार कर दी। शिक्षाविदों के प्रोग्राम में मुंबई से आये एक मुस्लिम शिक्षाविद से जबरन भारत माता की जय और वंदे मातरम बुलवाने लगे और जब शिक्षाविद ने नहीं बोला तो विधायक ने वहां भीड़ को ऐसा उकसाया कि वहां मॉबलिचिंग जैसे घटना घट सकती थी। इस सारे मामलों के बावजूद देश की न्यायपालिका सहित सभी संवैधानिक संस्थाएं खामोश हैं । ऐसे में यह सवाल उठाना लाजमी है कि आखिर मुसलमान किस से इंसाफ की उम्मीद रखें ?

-डॉ. एस. खान

पुण्यतिथि पर विशेष....

शिक्षा की अलख जगाने वाले प्रमुख बैरिस्टर बदरुद्दीन तैयब जी

बदरुद्दीन तैयब जी का जन्म 10 अक्टूबर 1844 ईस्वी को बम्बई में एक बोहरा परिवार में हुआ था। उनके पिताजी उस ज़माने में भी सभी बच्चों को इंग्लिश शिक्षा के हिमायती थे। प्रारंभिक उर्दू शिक्षा, पर्सियन एवं कॉलेज की शिक्षा के बाद उच्च शिक्षा के लिए वो लंदन चले गए। बदरुद्दीन तैयब जी एक प्रसिद्ध बैरिस्टर देशहित कार्यकर्ता व प्रसिद्ध राजनीतिज्ञ थे। तैयब जी सन 1867 में बम्बई उच्च न्यायालय में ब्रिटिश शासन के समय पहले भारतीय बैरिस्टर थे, जिन्होंने वहां प्रैक्टिस शुरू की थी। वह सन 1885 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के संस्थापक सदस्यों में से एक थे। और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के तीसरे अध्यक्ष 1887-88 तक रहे। वो 1875 से 1905 तक बम्बई विश्वविद्यालय के सीनेट सदस्य और (1882-86) तक बम्बई विधान परिषद के भी सदस्य रहे। वो सभी धर्मों में समानता, भाईचारा व मिलजुल कर प्रगति करने व कार्य करने के पक्षधर थे। उन्होंने मुसलमानों में शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए बम्बई में 1874 ईस्वी में अंजुमन -ए-इस्लाम कॉलेज की स्थापना की। जो आज एक बड़ा शिक्षण संस्थान बन चुकी है। उन्होंने इस्लाम जिमखाने की भी स्थापना की जिसके जरिये मुस्लिम समाज भी सामाजिक तौर पर आगे बढ़े और सशक्त हो। सन 1895 में बदरुद्दीन तैयब जी बम्बई उच्च न्यायालय के न्यायाधीश नियुक्त किये गए। वो पहले भारतीय थे। जो अंग्रेज़ी शासन काल मे इतने उच्च पदों पर नियुक्त किये गए थे। सन 1902 में वो बम्बई उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किए गए थे। तैयब जी महिला शिक्षा के भी हिमायती थे। वो "जनाना सिस्टम" जो मुसलमानों में प्रचलित था, उसके पक्ष में नही थे। उन्होंने अपनी सभी बेटियों को उच्च शिक्षा दिलवाई ओर उन्हें पढ़ने के लिए इंग्लैंड भेजा। 19 अगस्त को 1906 को अचानक ह्रदय गति रुक जाने से इस महान शख्सियत का इंतकाल हो गया। उनके द्वारा किये गए कार्य हमेशा याद किये जाएंगे।

(पिछले अंक से जारी)

जिंदगी मुख्तलिफ शुअरा की नजर में......

उसकी जिंदगी चाहे आला मैयार की हो उसको जिंदगी तमाम आराम व आसाइस मयस्सर हो खूब माल व दौलत हो, औलादें हो, रहने के लिए आलिशान महल जैसा मकान हो, मगर वो उसे पर वह खुश नहीं रहता है । हमेशा शिकवा ही करता रहता है। मसल मशहूर है कि इंसान किसी भी हाल में कभी खुश नहीं रहता। सब कुछ मिल जाने के बाद भी अगर हालात बदल जायें और उसकी जिंदगी में गुरबत और फ़ाकाकशी आ जाए जो अक्सर लोगों की जिंदगी में शिकवे शिकायत उसकी जबान पर होते हैं। इंसान की इस हालत को ग़ालिब ने अपने एक शेर में इस तरह बयान किया है-

जिंदगी जो इसी शक्ल में गुजरी "ग़ालिब"
हम भी क्या याद करेंगे कि खुदा रखते थे।

गालिब का यह शेर यूँ मायने हैं यानि दो मायने निकलते हैं एक माने तो यह है कि अल्लाह ने हमारी जिंदगी खूब अच्छी गुज़ारी । इस तरह के सामान ऐसो इशरत हमें हासिल थे। यह सब अल्लाह का एहसान था दूसरी तरफ इस शेर से यह मतलब भी निकलता है कि शायर अपने इस शेर में खुदा से शिकवा कर रहा है कि उसकी जिंदगी तंगी और कसमपुर्सी की हालत में गुजरी है । क्या खुदा उसको भूल गया है । दूसरों को ही अपनी अता और नवाजिशों से नवाजता है। इस बात पर उसको शिकवा है कि हम भी जिंदगी में यह याद रखेंगे कि हमारा भी कोई खुदा था, मगर हम पर उसकी नवाजिशें नहीं थी।

एक शायरा है "अस्मत" उन्होंने भी जिंदगी में आने वाली मुसीबतों और गमों को अपने रब की मेहरबानियां समझा है । जिनके सबब उनकी जिंदगी बड़ी तारीक हो गई है और उदासी उनका मुकद्दर बन गई है । जिसकी वजह से वो मुस्कुराना चाहते हुए भी मुस्कुरा नहीं सकती है। गोया वह मुस्कुराना ही भूल गई हैं। उनका शेर इस तरह से है-

ग़मे ज़िंदगी की मेहरबानियां हैं
कोई किसी तरह आज कल मुस्कुराये।

अस्मत की बात तो सही है आज के इंसान की जिंदगी में इतनी उलझनें पेचीदगियां और दुश्वारियां पैदा हो गई हैं कि इंसान उनमें उलझ कर रह गया है। इसी कैफियत को एक शायर ने इस तरह बयान किया है-

फिक्र-ए-मआशा इशके बुतां याद रफतगां
इस जिंदगी में अब कोई क्या-क्या किया करें।

गरज़े के इन हालात से इंसान मायूस हो जाता है वो हर वक्त गमो फिक्र के समंदर में गोताजन रहता है और सोचता रहता है कि इस समुद्र से कैसे निकला जाए ! किस तरह अपनी उदासी और गमों से भरी जिंदगी में बाहर लाई जाए ! लेकिन जब उसकी तमाम तदाबीर नाकाम होती नजर आती हैं और उसको चारों तरफ एक अंधेरा नजर आता उसे वक्त उसको महसूस होता है कि उसकी जिंदगी तो एक मशअल की तरह जिसका काम जलने के सिवा कुछ और नहीं है।

ऐसी कैफियत में उसकी कोई खुशी भी याद आती है तो वो भी उसके लिए आंसुओं का सबब बन जाती है, इन हालात को एक शायर ने इस तरह बयां किया है -

हयात (जिंदगी) एक मशअले गम के सिवा कुछ भी नहीं।
खुशी भी याद आती है तो आंसू बनके आती है।

इंसान की जिंदगी में खुशी और गम की आंख मिचौली चलती है। मसल भी मशहूर है कि गम और खुशी का चोली दामन का साथ है । इंसान की हर मुमकिन कोशिश होती है कि वह अपनी जिंदगी में पेश आने वाली मुश्किलात, हादिसात और तकलीफात को हर किसी के सामने बयां ना करें और वो खुद ही अपनी इज्जत और खानदानी वकार और नामो नामूस की हिफाजत हर हालात के कड़वे से कड़वे घूंट को पीता रहता है और बर्दाश्त करता है, क्योंकि मुसिबत का एक-एक से अहवाल कहना मुसिबत से यह और ज्यादा मुसिबत बनता जाता है क्योंकि ग्रेवाल एहवाल सुनकर मजे लेते हैं और नमक मिर्च लगाकर बताते और साहब एहवाल को रुसवा करते हैं । जिससे उस आदमी का विकार मजरूह होता है और उसकी अना को ठेस पहुंचती है। इंसान अपनी आबरू व अना के लिए कभी सख्त और गलत कदम भी उठा लेता है और मौत को गले लगाने तक के लिए तैयार हो जाता है। लेकिन आबरू, विकार व अना को मजरूह नहीं होने देता । इन हालात को नरेश कुमार साद ने अपने एक शेर में इस तरह बयान किया है-

जिंदगी तेरी आबरू के लिए
मर रहे हैं बड़े विकार से हम।

शेष अगले अंक में

देवबंद और स्वतंत्रता संग्राम: भारतीय देशभक्ति का एक विस्तृत अध्याय

भारत के स्वतंत्रता संग्राम के समृद्ध इतिहास में, औपनिवेशिक शासन के विरुद्ध कई स्वर एक साथ उठे, कुछ हथियारों के साथ, कुछ विचारों के साथ, और कई अटूट नैतिक विश्वास के साथ। इनमें, उत्तर प्रदेश के एक प्रसिद्ध इस्लामी मदरसे, दारुल उलूम देवबंद की भूमिका एक शक्तिशाली, फिर भी अक्सर उपेक्षित अध्याय है। ऐसे समय में जब भारत के धार्मिक संस्थानों से अलग-थलग रहने की अपेक्षा की जाती थी, देवबंद न केवल एक आध्यात्मिक केंद्र के रूप में, बल्कि उपनिवेश-विरोधी प्रतिरोध के एक राजनीतिक केंद्र के रूप में भी उभरा। इसके विद्वानों और अनुयायियों का योगदान, जो गहरे इस्लामी मूल्यों पर आधारित होते हुए भी एक बहुलवादी, स्वतंत्र भारत के विचार के प्रति प्रतिबद्ध हैं, भारतीय मुसलमानों के देशभक्ति के जोश का प्रमाण है। देवबंद की विरासत का पुनर्पाठ केवल ऐतिहासिक न्याय के बारे में नहीं है; यह राष्ट्रीय एकता की विस्मृत भावना को पुनः प्राप्त करने के बारे में है। 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के कुछ ही वर्षों बाद, 1866 में स्थापित, दारुल उलूम देवबंद औपनिवेशिक दमन के प्रति प्रतिक्रिया मात्र नहीं था, बल्कि यह वैचारिक अवज्ञा का एक कार्य था। जहाँ कई लोग अंग्रेजों को एक अदम्य शक्ति मानते थे, वहीं देवबंद के संस्थापकों का मानना था कि धार्मिक पहचान की रक्षा को राष्ट्र की स्वतंत्रता से अलग नहीं किया जा सकता। परिणामस्वरूप, यह संस्था धार्मिक शिक्षा और राजनीतिक चेतना का एक अनूठा संगम बन गई। देवबंद से उभरने वाली सबसे प्रमुख हस्तियों में मौलाना महमूद हसन थे, जिन्हें प्यार से शेखुल हिंद के नाम से जाना जाता था। उनके जीवन का कार्य राष्ट्रीय स्वतंत्रता के विचार से अभिन्न रूप से जुड़ा था। उन्होंने रेशमी रूमाल तहरीक (रेशमी पत्र आंदोलन) का नेतृत्व किया, जो भारत में ब्रिटिश-विरोधी ताकतों और क्रांतिकारी समूहों के साथ सहयोग करने का एक भूमिगत प्रयास था। अंग्रेजों द्वारा उनकी गिरफ्तारी और उसके बाद माल्टा निर्वासन ने आंदोलन को शांत नहीं किया, बल्कि इसने भारत के मुस्लिम समुदाय, विशेषकर युवा मौलवियों और छात्रों के बीच और अधिक प्रतिरोध को जन्म दिया। देवबंद का प्रभाव गुप्त गतिविधियों से कहीं आगे तक फैला हुआ था। इसने जमीयत उलेमा-ए-हिंद को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जो स्वतंत्रता-पूर्व भारत के सबसे महत्वपूर्ण मुस्लिम राजनीतिक संगठनों में से एक था। मुस्लिम लीग, जो विभाजन की वकालत करती थी, के विपरीत, जमीयत ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के साथ गठबंधन किया और धार्मिक आधार पर देश के विभाजन के विरुद्ध दृढ़ता से खड़ी रही। वास्तव में, जमीयत का रुख इस्लामी शिक्षाओं पर आधारित था, जो एकता (वहदत) और न्याय (अदल) पर ज़ोर देती थीं, और उस समय की अलगाववादी राजनीति के विरुद्ध एक नैतिक प्रति-कथा प्रस्तुत करती थीं। कई देवबंदी विद्वानों ने अहिंसक प्रतिरोध और सविनय अवज्ञा में भाग लिया और महात्मा गांधी और अन्य राष्ट्रवादी नेताओं के साथ घनिष्ठ रूप से जुड़े रहे। देवबंद के एक अन्य प्रमुख व्यक्ति मौलाना हुसैन अहमद मदनी न केवल ब्रिटिश शासन के मुखर विरोधी थे, बल्कि समग्र राष्ट्रवाद (मुत्तहिदा कौमियत) के भी प्रबल समर्थक थे। उनका तर्क था कि सभी भारतीय: हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, एक राष्ट्र हैं और उन्हें औपनिवेशिक उत्पीड़कों के विरुद्ध सामूहिक रूप से उठ खड़ा होना चाहिए। इस वैचारिक प्रतिबद्धता की एक कीमत चुकानी पड़ी। देवबंदी विद्वानों को अंग्रेजों द्वारा बार-बार गिरफ्तार किया गया, प्रताड़ित किया गया और उन पर निगरानी रखी गई। उनके संस्थानों को परेशान किया गया और उनके आंदोलनों को कुचला गया। फिर भी, उनका संकल्प कभी नहीं डगमगाया। उनकी कक्षाएँ शिक्षा और राजनीतिक जागृति के केंद्र बन गईं। उनके उपदेश न केवल ईश्वर के बारे में, बल्कि गांधी, नेहरू और आज़ाद के बारे में भी बोलते थे। उनका धर्म दुनिया से पीछे हटने का नहीं, बल्कि उसे बदलने की प्रेरणा था। भारत के स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में, दारुल उलूम देवबंद और उसके विद्वानों के योगदान को सम्मान का स्थान मिलना चाहिए। उन्होंने उपनिवेशवाद को न केवल विरोध के माध्यम से, बल्कि एक सतत बौद्धिक और आध्यात्मिक प्रतिरोध के माध्यम से चुनौती दी, जिसने मुस्लिम और भारतीय होने के अर्थ को नए सिरे से परिभाषित किया। देवबंद की यह कहानी हमारी युवा पीढ़ी को याद दिलाती है कि भारतीय मुसलमान हमेशा से स्वतंत्रता और न्याय के संघर्ष में सबसे आगे रहे हैं। अपनी स्वतंत्रता के नायकों का सम्मान करते हुए, हमें उस धर्मपीठ को नहीं भूलना चाहिए जिसने सत्ता के सामने सच बोला, उस मदरसे को जिसने शहीदों को जन्म दिया, और उस धर्म को नहीं भूलना चाहिए जो स्वतंत्रता के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चला।

हिंदुस्तान को मंगोलों के प्रकोप से बचाने वाला बादशाह

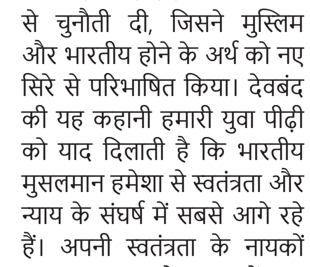

अलाउद्दीन खिलजी का नाम तो सबने सुना ही होगा। दिल्ली सल्तनत का वह बादशाह जिसे इतिहास में सिर्फ एक निर्दयी और बबेर बादशाह के रूप में याद किया जाता है। लेकिन अलाउद्दीन वही बादशाह है जिसने हिंदुस्तान को खतरनाक और क्रूर मंगोलों से एक नहीं, बल्कि कई बार बचाया। अगर खिलजी उस समय हिंदुस्तान को मंगोलो से न बचाता तो आज हिंदुस्तान का नक्शा कुछ और होता।

चलिए हम आपको बताते हैं अलाउद्दीन खिलजी और मंगोलों का रोचक इतिहास.........

मंगोलों को दुनिया के सबसे खतरनाक लड़ाकों में शुमार किया जाता था। उस समय माना जाता था कि मंगोलों को हराया नहीं सकता और कहा जाता था कि यह भगवान की तरफ से भेजा गया प्रकोप (Scovrge of god) है। मंगोल कितने खतरनाक थे इनका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि वह जिंदा इंसान को पल भर में खा जाते थे। प्यास लगने पर घोड़े की नस काटकर खून पी लेते थे। उनकी गंध इतनी तेज थी कि 2 मील पहले लोग पहचान लेते थे कि मंगोलों का हमला होने वाला है। मंगोल जहां भी हमला करते उस जगह को पूरी तरह बर्बाद कर दिया करते थे। मंगोलों ने भारत पर 1297 से 1306 ई. तक लगातार कई बार भयानक हमले किए। उस समय हिंदुस्तान में दिल्ली की गद्दी पर अलाउद्दीन खिलजी बैठा था। खिलजी की वजह से ही कई कोशिशों के बाद भी मंगोल भारत पर कब्जा करने में नाकाम रहे। ये अलाउद्दीन खिलजी ही था जिसकी वजह से मंगोलों को एक या दो बार नहीं बल्कि 6 बार अपने कदम वापस खीचने पड़े। मंगोलों के अटैक से खिलजी बहुत क्रोधित हुआ और युद्ध के बाद उसने हजारों मंगोलों को बंदी बना लिया। इसके बाद उसने करीब 8000 मंगोलों का सिर दिल्ली में बन रहे 'सिरी फोर्ट' में चुनवा दिया था। इसलिए इस शहर का नाम 'सर' के नाम 'सिरी' रखा गया। ऐतिहासिक अभिलेखों से यह भी पता चलता है कि इसके बाद अलाउद्दीन ने मंगोलों पर कई क्रूर हमले किए, जिसके बाद कई वर्षों तक मंगोलों ने भारत पर आक्रमण करने की हिम्मत नहीं की।

-मोहम्मद जहीर

हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड में 588 पदों पर भर्ती

हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL) ने 588 पदों पर भर्ती निकाली है। उम्मीदवारों को अपना आवेदन गुगल फॉर्म के जरिए NAPS पोर्टल पर सब्मिट करना होगा।
इंजीनियरिंग ग्रेजुएट अप्रेंटिस, डिप्लोमा और नॉन टेक्निकल ग्रेजुएट अप्रेंटिस के लिए आवेदन की आखिरी तारीख 10 अगस्त तय की गई है। वहीं आईटीआई अप्रेंटिस के लिए आवेदन की आखिरी तारीख 2 सितंबर तय की गई है।
आवेदन शुरू :
16 जुलाई से 02 सितंबर 2025 तक
वैकेंसी डिटेल्स :
ग्रेजुएट अप्रेंटिस : 130 पद
डिप्लोमा अप्रेंटिस : 60 पद
नॉन-टेक्निकल अप्रेंटिस : 88 पद
आईटीआई ट्रेड अप्रेंटिस : 310 पद
कुल पदों की संख्या : 588
एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
संबंधित क्षेत्र में डिप्लोमा, डिग्री या आईटीआई की डिग्री
एज लिमिट :
हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड नियमों के अनुसार
सिलेक्शन प्रोसेस :
मेरिट बेसिस पर
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन
मेडिकल फिटनेस
पुलिस वेरिफिकेशन
स्टाइपेंड :
ग्रेजुएट अप्रेंटिस : 9,000 रुपए प्रति माह
डिप्लोमा अप्रेंटिस : 8,000 रुपए प्रति माह
2 वर्षीय ट्रेड आईटीआई अप्रेंटिस : 8,050 रुपए प्रतिमाह
1 वर्षीय ट्रेड आईटीआई अप्रेंटिस : 7,700 रुपए प्रतिमाह
ऐसे करें आवेदन :
NAPS पोर्टल apprenticeship-india.gov.in पर रजिस्ट्रेशन करें।
जरूरी डिटेल्स के साथ गूगल फॉर्म भरें।
NAPS पोर्टल पर अपनी प्रोफाइल कंप्लीट करें।
जरूरी डॉक्यूमेंट्स अपलोड करें।
फॉर्म सब्मिट करें। इसका प्रिंटआउट लेकर रखें।

BSF में 1121 पदों पर भर्ती के लिए आवेदन शुरू

बीएसएफ (Border security force) की ओर से हेड कॉन्स्टेबल (रेडियो ऑपरेटर) और हेड कॉन्स्टेबल (रेडियो मैकेनिक) के पदों पर भर्ती निकली है। इस भर्ती के लिए आवेदन की प्रक्रिया आज से शुरू हो रही है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट rectt.bsf.gov.in पर जाकर अप्लाई कर सकते हैं। इस भर्ती का नोटिफिकेशन 16 - 22 अगस्त के रोजगार समाचार में प्रकाशित किया गया है।
आवेदन शुरू :
19 अगस्त से 17 सितम्बर तक
एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
हेड कॉन्स्टेबल (रेडियो ऑपरेटर) : 60% मार्क्स के साथ 12वीं पास (सब्जेक्ट : फिजिक्स, केमेस्ट्री, मैथ्स)
या 10वीं के साथ 2 साल की आईटीआई डिग्री (सब्जेक्ट : रेडियो, टेलीविजन, इलेक्ट्रॉनिक्स, सीओपीए, जनरल इलेक्ट्रॉनिक्स, डाटा एंट्री ऑपरेटर)
हेड कॉन्स्टेबल (रेडियो मैकेनिक) : 60% मार्क्स के साथ 12वीं पास (सब्जेक्ट : फिजिक्स, केमेस्ट्री, मैथ्स)
या 10वीं के साथ 2 साल की आईटीआई डिग्री (सब्जेक्ट : रेडियो, टेलीविजन, जनरल इलेक्ट्रॉनिक्स, सीओपीए, इलेक्ट्रीशियन, फिटर, आईटी एंड ईएसएम, डेटा एंट्री ऑपरेटर, इक्विपमेंट मेंटेनेंस, कंप्यूटर हार्डवेयर, मैकेट्रॉनिक्स)
एज लिमिट :
यूआर : 18 - 25 साल
ओबीसी : 18 - 28 साल
एससी, एसटी : 18 - 30 साल
सैलरी :
25,500 - 81,100 रुपए प्रतिमाह
अन्य अलाउंस का लाभ भी मिलेगा।
सिलेक्शन प्रोसेस :
फिजिकल स्टैंडर्ड टेस्ट
फिजिकल एफिशिएंसी टेस्ट
कंप्यूटर बेस्ड टेस्ट
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन
डिक्टेशन टेस्ट और पैराग्राफ रीडिंग टेस्ट
मेडिकल एग्जाम
फीस :
यूआर, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस : 100 रुपए + 59 रुपए सीएससी चार्ज
एससी, एसटी, महिला, विभागीय, एक्स सर्विसमैन : नि:शुल्क (सीएससी चार्ज लागू)
ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट rectt.bsf.gov.in पर जाएं।
रजिस्ट्रेशन करके पासवर्ड के माध्यम से लॉग इन करें।
मांगी गई डिटेल्स दर्ज करके डॉक्यूमेंट्स अपलोड करें।
फॉर्म सब्मिट करें।
इसका प्रिंटआउट लेकर रखें।

रेलवे में अप्रेंटिस के 2865 पदों पर निकली भर्ती

वेस्ट सेंट्रल रेलवे ने जबलपुर, भोपाल, मध्य प्रदेश और कोटा, राजस्थान में अप्रेंटिस के पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी किया है। इस भर्ती के लिए आवेदन की प्रक्रिया 30 अगस्त से शुरू होगी। उसके बाद उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट wcr.indianrailways.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकेंगे।
आवेदन शुरू :
30 अगस्त से 29 सितम्बर तक
एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
मान्यता प्राप्त बोर्ड या विश्वविद्यालय से 10वीं, 12वीं पास होना चाहिए। आईटीआई की डिग्री।
एज लिमिट :
अधिकतम 24 साल
ओबीसी : 3 साल
एससी/एसटी : 5 साल
पीडब्ल्यूडी (सामान्य) : 10 साल
पीडब्ल्यूडी (ओबीसी) : 13 साल
पीडब्ल्यूडी (एससी/एसटी) : 15 साल
फीस :
जनरल, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस : 141 रुपए
एससी, एसटी, पीडब्ल्यूबीडी, महिला : 41 रुपए
सिलेक्शन प्रोसेस :
शॉर्टलिस्टिंग
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन
मेडिकल टेस्ट
स्टाइपेंड :
अप्रेंटिस नियमों के अनुसार
ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट wcr.indianrailways.gov.in पर जाएं।
संबंधित भर्ती लिंक पर क्लिक करें।
अपना नाम, ईमेल पता, मोबाइल नंबर और अन्य जानकारी दर्ज करें।
बर्थ सर्टिफिकेट सहित जरूरी डाक्यूमेंट्स की स्कैन कॉपी अपलोड करें

आवश्यकता

जयपुर से प्रकाशित होने वाले दैनिक रॉयल पत्रिका एवं डिजिटल रॉयल पत्रिका के लिए 5 रिपोर्टर्स एवं 2 विज्ञापन लाने के लिए विज्ञापन प्रतिनिधि की शीघ्र आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार, अनुभवी को प्राथमिकता। इंटर्नशिप करने के इच्छुक उम्मीदवार भी संपर्क कर सकते हैं।
इच्छुक उम्मीदवार शीघ्र संपर्क करें -

संपर्क करें -
- royalpatrika@gmail.com
- +91-9772552446

राजस्थान में टीचर के 6500 पदों पर भर्ती

-आवेदन शुरू, ग्रेजुएट्स करें अप्लाई

राजस्थान लोक सेवा आयोग यानी आरपीएससी (RPSC) ने सीनियर टीचर के 6500 पदों पर भर्ती निकाली है। इस भर्ती के लिए आवेदन की प्रक्रिया आज से शुरू है। उम्मीदवार RPSC की ऑफिशियल वेबसाइट rpsc.rajasthan.gov.in पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।
एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
हिंदी, अंग्रेजी, गणित, संस्कृत, उर्दू, पंजाबी, सिंधी और गुजराती के लिए : ग्रेजुएशन या यूजीसी द्वारा मान्यता प्राप्त समकक्ष परीक्षा पास होना चाहिए। संबंधित विषय वैकल्पिक विषय के रूप में हो। राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद/सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त डिग्री या डिप्लोमा इन एजुकेशन होना चाहिए।
विज्ञान के लिए: ग्रेजुएशन या यूजीसी द्वारा मान्यता प्राप्त समकक्ष परीक्षा पास, जिसमें वैकल्पिक विषयों के रूप में फिजिक्स, केमिस्ट्री, जूलॉजी, बॉटनी, माइक्रो बायोलॉजी, बायो टेक्नोलॉजी और बायो केमिस्ट्री में से कम से कम दो विषय शामिल हैं।
राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद/सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त डिग्री या डिप्लोमा इन एजुकेशन होना चाहिए।
सामाजिक विज्ञान के लिए : ग्रेजुएशन या यूजीसी द्वारा मान्यता प्राप्त समकक्ष परीक्षा पास होना चाहिए, जिसमें वैकल्पिक विषयों के रूप में इतिहास, भूगोल, अर्थशास्त्र, राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र, लोक प्रशासन और दर्शनशास्त्र में से कम से कम दो विषय शामिल हों।
राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद/सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त डिग्री या डिप्लोमा इन एजुकेशन होना चाहिए।
एज लिमिट :
न्यूनतम : 18 साल
अधिकतम : 40 साल
फीस :
सामान्य, पिछड़ा वर्ग (क्रीमी लेयर), अत्यंत पिछड़ा वर्ग (क्रीमी लेयर) : 600 रुपए
आरक्षित वर्ग (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर)/अत्यंत पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर)/आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग/सहरिया आदिम जनजाति) और दिव्यांगजन : 400 रुपए
ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट rpsc.rajasthan.gov.in पर जाएं।
होम पेज पर भर्ती से संबंधित लिंक पर क्लिक करें।
इसके बाद भर्ती के Apply Online लिंक पर क्लिक करें।
नए पेज पर पहले Click here for New Registration पर क्लिक करें और मांगी गई डिटेल्स दर्ज करें।
जरूरी डॉक्यूमेंट्स अपलोड करें।
फीस जमा करके फॉर्म सब्मिट करें।
इसका प्रिंटआउट लेकर रखें।

यूपी में GIC लेक्चरर के 1516 पदों पर भर्ती

UPPSC ने सरकारी इंटर कॉलेज में लेक्चरर के 1516 पदों पर भर्ती निकाली है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट uppsc.up.nic.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।
आवेदन शुरू :
12 अगस्त से 12 सितम्बर
वैकेंसी डिटेल्स :

पद का नाम	पदों की संख्या
लेक्चरर (पुरुष) - सरकारी इंटर कॉलेज	777
लेक्चरर (महिला) - सरकारी इंटर कॉलेज	694
लेक्चरर - स्पर्श दृष्टिबाधित स्कूल	43
प्रोफेसर - यूजी जेल ट्रेनिंग स्कूल	02
कुल पदों की संख्या	1516

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
संबंधित क्षेत्र में पीजी, बीएड की डिग्री
एज लिमिट :
न्यूनतम : 21 साल
अधिकतम : 40 साल
रिजर्व कैटेगरी के उम्मीदवारों को अधिकतम उम्र में छूट दी जाएगी।
सिलेक्शन प्रोसेस :
रिटन एग्जाम
इंटरव्यू
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन
फीस :
यूआर, ईडब्ल्यूएस, ओबीसी : 100 रुपए + 25 रुपए ऑनलाइन प्रोसेसिंग फीस
एससी, एसटी : 40 रुपए + 25 रुपए ऑनलाइन प्रोसेसिंग फीस
पीडब्ल्यूडी : नि:शुल्क + 25 रुपए ऑनलाइन प्रोसेसिंग फीस
एक्स सर्विसमैन : 40 रुपए + 25 रुपए ऑनलाइन प्रोसेसिंग फीस
सैलरी :
लेक्चरर (जीआईसी) : Level - 8 के अनुसार 47,600 - 1,51,100 रुपए प्रतिमाह
लेक्चरर (यूपी जेल ट्रेनिंग स्कूल) : लेवल - 7 के अनुसार 44,900 - 1,42,400 रुपए प्रतिमाह
ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट upsc.gov.in पर जाएं।
रजिस्ट्रेशन करके ओटीआर नंबर प्राप्त करें।
अब लॉग इन करके अप्लाई ऑनलाइन पर क्लिक करें।
जरूरी डिटेल्स दर्ज करें।
मांगे गए डॉक्यूमेंट्स अपलोड करें।
फीस जमा करके फॉर्म सब्मिट करें।
इसका प्रिंटआउट लेकर रखें।

LIC में 841 पदों पर निकली भर्ती; एज लिमिट 32 साल, सैलरी 1 लाख 26 हजार तक

भारतीय जीवन बीमा निगम (LIC) ने असिस्टेंट एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर (AAO) के पदों पर भर्ती निकली है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट licindia.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। इस भर्ती के लिए प्रीलिम्स एग्जाम 3 अक्टूबर, 2025 को होगी। वहीं मेन्स एग्जाम 8 नवंबर, 2025 को आयोजित की जाएगी।
आवेदन शुरू :
16 अगस्त से 08 सितम्बर तक
एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
- पद के अनुसार ग्रेजुएशन की डिग्री, ICAI की फाइनल एग्जाम पास किया हो।
- भारतीय कंपनी सचिव संस्थान (आईसीएसआई) के मेंबर होना चाहिए।

एज लिमिट :
- न्यूनतम : 21 साल
- अधिकतम : 32 साल
- रिजर्व कैटेगरी के उम्मीदवारों को अधिकतम उम्र में छूट दी जाएगी।

सिलेक्शन प्रोसेस :
- प्रीलिम्स एग्जाम
- मेन्स एग्जाम
- इंटरव्यू

फीस :
- एससी, एसटी, पीडब्ल्यूबीडी : 85 रुपए के साथ GST और ट्रांजेक्शन चार्ज
- अन्य : 700 रुपए

सैलरी :
- 88,635 - 1,26,000 रुपए प्रतिमाह
- अन्य अलाउंस का लाभ भी दिया जाएगा।

ऐसे करें आवेदन :
- ऑफिशियल वेबसाइट licindia.in पर जाएं।
- “Careers” सेक्शन पर LIC AE/AAO भर्ती 2025 पर क्लिक करें।
- ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन के लिए रजिस्ट्रेशन नंबर और पासवर्ड डालें।
- मांगे गए डॉक्यूमेंट्स अपलोड करें।
- फीस जमा करें।
- फॉर्म सब्मिट कर दें।
- इसका प्रिंटआउट लेकर रखें।

प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी के लिए महत्वपूर्ण प्रश्न

(रणनीति)

(पिछले अंक से जारी)
मिश्रित समसामयिक प्रश्न
91.2024 में भारत ने किस देश के साथ '2+2 मंत्रिस्तरीय संवाद' आयोजित किया?
(a) जापान (b) अमेरिका
(c) रूस (d) फ्रांस
92.निम्नलिखित में से कौन सा शहर 2024 में भारत का सबसे स्वच्छ शहर घोषित हुआ?
(a) इंदौर (b) सूरत
(c) भोपाल (d) चंडीगढ़
93.भारत का पहला स्वदेशी विमानवाहक पोत कौन सा है?
(a) INS विक्रांत (b) INS विराट
(c) INS विशाल (d) INS अरिहंत
94.निम्नलिखित में से कौन सा मिशन ग्रामीण सड़क निर्माण से संबंधित है?
(a) पीएम-किसान (b) ग्राम सड़क योजना (c) उज्ज्वला योजना
(d) आयुष्मान भारत
95.2024 में भारत ने किस देश के साथ संयुक्त अंतरिक्ष मिशन की घोषणा की?
(a) जापान (b) अमेरिका
(c) रूस (d) फ्रांस
96.निम्नलिखित में से कौन सा पुरस्कार खेल के लिए दिया जाता है?
(a) भारत रत्न (b) अर्जुन पुरस्कार
(c) ज्ञानपीठ पुरस्कार (d) पद्म भूषण
97.भारत का पहला डिजिटल साक्षर गाँव कहाँ है?
(a) मावलिननॉन्ग, मेघालय
(b) धरनई, बिहार
(c) पुनौरा, उत्तराखंड
(d) हिवरे बाजार, महाराष्ट्र
98.निम्नलिखित में से कौन सा मिशन जल संरक्षण से संबंधित है?
(a) नमामि गंगे (b) स्वच्छ भारत
(c) डिजिटल इंडिया (d) मेक इन इंडिया
99.2024 में भारत ने किस देश के साथ समुद्री सहयोग समझौता किया?
(a) मालदीव (b) श्रीलंका
(c) बांग्लादेश (d) ऑस्ट्रेलिया
100.निम्नलिखित में से कौन सा मिशन स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित है?
(a) आयुष्मान भारत
(b) उज्ज्वला योजना
(c) पीएम-किसान
(d) डिजिटल इंडिया
101.भारत का पहला हाइपरलूप प्रोजेक्ट कहाँ प्रस्तावित है?
(a) मुंबई-पुणे (b) दिल्ली-जयपुर
(c) बेंगलुरु-चेन्नई
(d) अहमदाबाद-मुंबई
102.निम्नलिखित में से कौन सा संगठन भारत की परमाणु ऊर्जा से संबंधित है?
(a) ISRO (b) BARC
(c) DRDO (d) HAL
103.2024 में भारत ने किस देश के साथ संयुक्त नौसेना अभ्यास 'वरुण' आयोजित किया?
(a) अमेरिका (b) फ्रांस
(c) रूस (d) जापान
104.निम्नलिखित में से कौन सा शहर 2024 में भारत का स्टार्टअप हब घोषित हुआ?
(a) बेंगलुरु (b) दिल्ली
(c) मुंबई (d) हैदराबाद
105.भारत ने 2024 में किस देश के साथ डिजिटल सहयोग समझौता किया?
(a) सिंगापुर (b) जापान
(c) अमेरिका (d) ब्रिटेन

-डॉ. एम . ए. खान
प्रोफेसर (भूगोल)

उत्तर कुंजी

91.	(b) अमेरिका	95.	(b) अमेरिका	99.	(d) ऑस्ट्रेलिया	103.	(b) फ्रांस
92.	(a) इंदौर	96.	(b) अर्जुन पुरस्कार	100.	(a) आयुष्मान भारत	104.	(a) बेंगलुरु
93.	(a) INS विक्रांत	97.	(b) धरनई, बिहार	101.	(a) मुंबई-पुणे	105.	(c) अमेरिका
94.	(b) ग्राम सड़क योजना	98.	(a) नमामि गंगे	102.	(b) BARC		

भारत अमेरिका के बीच टैरिफ विवाद

ऐतिहासिक रूप से, भारत ने अपने घरेलू उद्योगों को विदेशी प्रतिस्पर्धा से बचाने के लिए एक संरक्षणवादी (protectionist) व्यापार नीति अपनाई है। 1991 के आर्थिक सुधारों के बाद, भारत ने धीरे-धीरे टैरिफ दरों को कम किया और अपनी अर्थव्यवस्था को दुनिया के लिए खोला। खासकर अमेरिका और भारत के बीच व्यापार संबंधों में टैरिफ एक बड़ा मुद्दा बनकर उभरा है। हाल के समय में टैरिफ और भारत के बीच का संबंध एक जटिल और विकसित होता हुआ मुद्दा है। टैरिफ एक प्रकार का कर है जो किसी देश द्वारा दूसरे देश से आयातित वस्तुओं पर लगाया जाता है। टैरिफ लगाने का मुख्य उद्देश्य घरेलू उद्योगों की रक्षा करना, आयात को हतोत्साहित करना और सरकार के लिए राजस्व जुटाना है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि भारत रूसी तेल खरीद रहा है और रूसी वार मशीन को बढ़ावा दे रहा है। यह बात भारत के आन्तरिक मामलों में दखल अन्दाजी कही जा सकती है और भारतीय विदेश नीति के विपरीत है। अमेरिका ने भारत पर 50% तक का भारी टैरिफ लगाने की घोषणा की है जो अनुचित है। इस टैरिफ के दो हिस्से हैं: 25% रेसिप्रोकल टैरिफ: यह टैरिफ इस तर्क पर आधारित है कि भारत भी अमेरिकी वस्तुओं पर उच्च टैरिफ लगाता है। जो 7 अगस्त 2025 से लागू हुई । 25% अतिरिक्त टैरिफ: यह टैरिफ विशेष रूप से रूस से कच्चे तेल के आयात पर भारत की निर्भरता के कारण लगाया गया है। जो 27 अगस्त 2025 से लागू होगा। टैरिफ का भारतीय अर्थव्यवस्था पर बहुत बड़ा प्रभाव नहीं पड़ेगा, क्योंकि भारत की अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से घरेलू खपत पर निर्भर करती है। फिर भी कुछ सेक्टरों पर प्रभाव पड़ेगा जैसे टैक्सटाइल, रत्न, चमड़े के सामान,रसायन और मशीनरी साथ ही घरेलू उद्योगों पर भी प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है क्योंकि भारतीय वस्तुओं की अमेरिका में क़ीमत बढ़ने से मांग में कमी आएगी और भारतीय उद्योगपतियों का मुनाफा भी कम होना संभावित है। ऐसी स्थिति में भारत अपने राष्ट्रीय हितों और आर्थिक सुरक्षा की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएगा , क्योंकि संप्रभु देशों को अपने व्यापारिक साझेदार, व्यापार और आर्थिक सहयोग में साझेदार चुनने और किसी विशेष देश के हित में व्यापार और आर्थिक सहयोग व्यवस्था चुनने का अधिकार होना चाहिए। स्पष्ट है कि रूसी तेल खरीद को लेकर अमेरिका द्वारा भारत को निशाना बनाना अनुचित और अविवेकपूर्ण है। टैरिफ के मुद्दे पर भारत ने कड़ा रुख अपनाया है, जो सर्वथा उचित है भारत अपने देश के किसानों और छोटे निर्माताओं के हितों की रक्षा करना सुनिश्चित कर रहा है। इसके लिए सभी आवश्यक संभावनाओं को देशहित में देखते हुए बिना अमेरिकी दबाव में आए आवश्यक क़दम उठा रहा है और “नेशनल इंटरेस्ट” को प्राथमिकता दे रहा है। टैरिफ के प्रभाव को कम करने की दिशा में यूरोप, चीन या मध्य पूर्व (यूएई, सऊदी अरब) और आसियान देशों के व अन्य विदेशी बाज़ारों के साथ व्यापार विस्तार किया जाना, संभावित समाधान और वार्ता की दिशा (जैसे आपसी समझौते, द्विपक्षीय वार्ता आदि) में बढ़ना, जैसे कदम भारत के हित में होंगे।

मौसम बदलते ही सर्दी-जुकाम के शिकार? जानिए बचाव के घरेलू नुस्खे

-सर्दी-जुकाम का खतरा मौसम बदलने पर क्यों बढ़ता है?

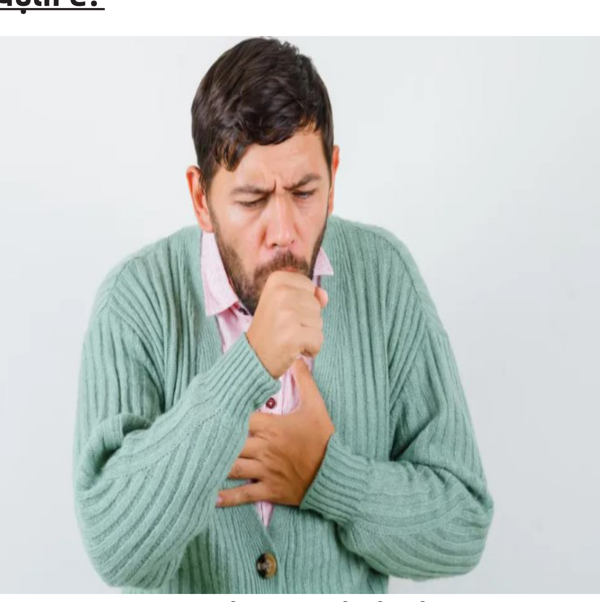

मौसम का बदलना यानी तापमान और वातावरण में अचानक बदलाव आना। कई बार यह बदलाव हमारी रोग-प्रतिरोधक क्षमता (इम्युनिटी) पर सीधा असर डालता है। ऐसे में शरीर को नए वातावरण में ढलने का समय नहीं मिल पाता और हम सर्दी-जुकाम जैसी बीमारियों की चपेट में आ जाते हैं। खासकर बच्चे, बुज़ुर्ग और कमजोर इम्युनिटी वाले लोग जल्दी इसकी गिरफ्त में आ जाते हैं। मौसम बदलते समय शरीर का तापमान और बाहरी तापमान में तालमेल बैठाने के लिए शरीर को ज्यादा ऊर्जा खर्च करनी पड़ती है। अगर हमारी डाइट, दिनचर्या और देखभाल सही नहीं हो, तो सर्दी-जुकाम की समस्या आम हो जाती है।

सर्दी-जुकाम के सामान्य लक्षण
नाक बहना या बंद होना, गले में खराश या सूजन, छींक आना, हल्का बुखार, सिरदर्द, थकान और कमजोरी, खांसी
ये लक्षण आमतौर पर मौसम बदलने के शुरुआती दिनों में ज्यादा दिखते हैं।

सर्दी-जुकाम से बचने के घरेलू नुस्खे
नीचे कुछ आसान और असरदार घरेलू नुस्खे दिए जा रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप इस परेशानी से बच सकते हैं:

अदरक और शहद का सेवन
अदरक में एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटी-बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं। यह गले की खराश और नाक बंद होने में राहत देता है। अदरक का छोटा टुकड़ा कूटकर शहद में मिलाकर दिन में दो बार लें। चाहे तो अदरक की चाय बनाकर पी सकते हैं।

तुलसी और काली मिर्च
तुलसी में रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने की शक्ति होती है। काली मिर्च में एंटी-ऑक्सीडेंट और विटामिन-C होता है। 5-6 तुलसी की पत्तियां और 2-3 काली मिर्च उबालकर काढ़ा बना लें। इसमें थोड़ा शहद डालकर पीने से सर्दी-जुकाम से राहत मिलेगी।

हल्दी वाला दूध
हल्दी को प्राकृतिक एंटीबायोटिक कहा जाता है। रात को सोते समय गुनगुने दूध में आधा चम्मच हल्दी डालकर पीने से गले की खराश और खांसी कम होती है। यह इम्युनिटी को भी मजबूत करता है।

भाप लेना (स्टीम)
भाप लेने से बंद नाक खुल जाती है और सांस लेने में आसानी होती है। एक बर्तन में पानी गर्म करके उसमें अजवाइन या पुदीना की पत्तियां डालें और भाप लें। दिन में 2 बार भाप लेने से काफी आराम मिलेगा।

गुनगुना पानी पीना
मौसम बदलते समय ठंडे पानी से परहेज़ करें। गुनगुना पानी पीने से गला ठीक रहता है और इंफेक्शन का खतरा कम होता है। यह शरीर को हाइड्रेटेड भी रखता है।

लहसुन का इस्तेमाल
लहसुन में एंटी-वायरल और एंटी-बैक्टीरियल गुण होते हैं। लहसुन की 1-2 कलियां कच्ची चबाकर खाएं। चाहें तो लहसुन को सरसों के तेल में भूनकर उसकी मालिश भी कर सकते हैं।

अजवाइन और गुड़
अजवाइन पाचन सुधारती है और ठंड से बचाती है। थोड़ी अजवाइन और गुड़ को मिलाकर खाने से गले की खराश और जुकाम में राहत मिलती है। अजवाइन को कपड़े में बांधकर सूंघने से भी नाक खुल जाती है।

नींबू और शहद
नींबू में विटामिन-C भरपूर मात्रा में होता है, जो इम्युनिटी को मजबूत करता है। एक गिलास गुनगुने पानी में नींबू का रस और शहद डालकर सुबह पीने से फायदा होगा।

दालचीनी का काढ़ा
दालचीनी शरीर को गर्म रखती है और बैक्टीरिया से लड़ती है। दालचीनी का छोटा टुकड़ा पानी में उबालकर उसमें शहद डालकर पी सकते हैं।

च्यवनप्राश और गिलोय
रोजाना सुबह च्यवनप्राश खाने से रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। गिलोय का रस भी इम्युनिटी को मजबूत करता है और सर्दी-जुकाम से बचाव करता है।

सर्दी-जुकाम से बचने के लिए जीवनशैली में बदलाव
संतुलित आहार लें
मौसम बदलते वक्त विटामिन-C युक्त फल जैसे संतरा, अमरूद, आंवला और मौसमी ज़रूर खाएं। हरी सब्ज़ियां और दालें भी डाइट में शामिल करें।

पर्याप्त नींद लें
कम नींद लेने से शरीर थका हुआ रहता है और इम्युनिटी कमजोर होती है। रोज़ाना 7-8 घंटे की नींद ज़रूर लें।

व्यायाम और योग
हल्का व्यायाम, प्राणायाम और योग करने से शरीर मजबूत होता है और मौसम बदलने पर जल्दी बीमार नहीं पड़ते।

गर्म कपड़े पहनें
मौसम के हिसाब से कपड़े पहनें। अचानक ठंडी हवा या बारिश में भीगने से बचें।

हाथ धोना न भूलें
वायरस और बैक्टीरिया सबसे ज्यादा हाथों के ज़रिए फैलते हैं। इसलिए दिन में कई बार साबुन से हाथ धोएं।

किन लोगों को ज्यादा सावधानी रखनी चाहिए?
छोटे बच्चे, बुज़ुर्ग, गर्भवती महिलाएं, डायबिटीज, अस्थमा या हृदय रोगी, इन लोगों को मौसम बदलते समय खास ध्यान रखना चाहिए क्योंकि उनकी इम्युनिटी जल्दी प्रभावित होती है। मौसम बदलना एक प्राकृतिक प्रक्रिया है, लेकिन अगर हम अपनी दिनचर्या, आहार और जीवनशैली में थोड़े से बदलाव करें तो सर्दी-जुकाम जैसी समस्या से बच सकते हैं। घरेलू नुस्खों का इस्तेमाल न केवल सुरक्षित है बल्कि लंबे समय तक फायदेमंद भी साबित होता है। याद रखें: अगर सर्दी-जुकाम लंबे समय तक ठीक न हो या तेज बुखार के साथ हो तो तुरंत डॉक्टर की सलाह लेना जरूरी है।

अंता विधानसभा उप चुनाव की तैयारियां शुरू

-मतदाता सूचियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम को लेकर राजनैतिक दलों के साथ बैठक आयोजित

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका)। अंता विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र (193) में अर्हता 01 जुलाई 2025 के संदर्भ में मतदाता सूचियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम को लेकर रविवार 24 अगस्त को जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर की अध्यक्षता में मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में निर्वाचक समन्वयक हीरालाल वर्मा, एसडीएम अंता एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी हवाई सिंह यादव, तहसीलदार मांगरोल एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी बृजेश शिहरा, जिला सूचना एवं सहायक जनसंपर्क अधिकारी मोहन लाल, अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी प्रमोद राठौर सहित विभिन्न विभागीय अधिकारी एवं राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। जिला निर्वाचन अधिकारी ने भारत निर्वाचन आयोग एवं मुख्य निर्वाचन अधिकारी, राजस्थान द्वारा जारी संशोधित कार्यक्रम की जानकारी सभी दलों के प्रतिनिधियों को प्रदान की तथा दिशा-निर्देशों की प्रतियां उपलब्ध करवाई। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि मतदान केन्द्रों का सुव्यवस्थीकरण 28 अगस्त तक, मतदाता सूचियों का प्रारूप प्रकाशन 3 सितंबर को और दावे एवं आपत्तियां प्रस्तुत करने की अवधि 3 सितंबर से 17 सितंबर 2025 तक निर्धारित की गई है। प्राप्त दावे एवं आपत्तियों का निस्तारण 25 सितंबर 2025 (गुरुवार) तक किया जाएगा। इसके बाद मतदाता सूचियों का अंतिम प्रकाशन 1 अक्टूबर 2025 (बुधवार) को किया जाएगा। जिला निर्वाचन अधिकारी ने निर्वाचन विभाग के निर्देशों के अनुसार 1200 से अधिक मतदाताओं वाले मतदान केन्द्रों का पुनर्गठन और सुव्यवस्थिकरण किये जाने की जानकारी दी गई। साथ ही राजनीतिक दलों से बूथ लेवल एजेंट (BLA) शीघ्र नियुक्त करने का अनुरोध किया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी राजनीतिक दलों से मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम में सहयोग की अपील की।

पंचमुखी पुलिया का होगा सौंदर्यकरण, 22 लाख की लागत से होंगे विकास कार्य

डॉ. तोहिद

सुकेत/रामगंजमंडी (रॉयल पत्रिका)। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला, कैबिनेट मंत्री मदन दिलावर के निर्देश पर रामगंजमंडी नगर पालिका क्षेत्र में किए जा रहे चौराहों के सौंदर्यकरण के क्रम में मंगलवार से पंचमुखी पुलिया के सौंदर्यकरण का कार्य शुरू हुआ। उपखंड क्षेत्र की जीवनरेखा मानी जाने वाली पंचमुखी पुलिया अब जल्द ही एक नया रूप लेने जा रही है। करीब 22 लाख रुपये की लागत से इसका सौंदर्यकरण किया जाएगा। पुलिया के माध्यम से आसपास के 25 गांवों और नगरपालिका क्षेत्र के 7 वार्डों का आपसी संपर्क होता है। विशेषकर मध्यप्रदेश की ओर ये मार्ग जोड़ता है इस लिहाज से यहां एक यात्री प्रतीक्षालय का भी निर्माण किया जाएगा। यानी इस पुलिया के जरिए करीब 10 हजार लोगों का जनजीवन बारिश के दिनों में प्रभावित होता है ऐसे में इसका विकास न केवल सौंदर्य की दृष्टि से, बल्कि सुविधाओं के लिहाज से भी महत्वपूर्ण है। विकास कार्यों के तहत पुलिया के दोनों छोर पर हाई मास्क लाइट्स लगाई जाएंगी जिससे रात में भी आवागमन सुरक्षित और सहज रहेगा। साथ ही पुलिया के आस-पास वृक्षारोपण किया जाएगा ताकि क्षेत्र की हरियाली बढ़े और पर्यावरण को भी

लाभ मिले। सबसे अहम बात यह है कि पुलिया के पास बहने वाले नाले की दिशा में पक्की दीवार बनाई जाएगी जिससे गंदगी और ओवरफ्लो की समस्या से राहत मिलेगी। इससे नाले का पानी पुलिया के आसपास नहीं फैलेगा और रास्ता हमेशा साफ-सुथरा रहेगा। साथ ही पुलिया पर 12 फुट चौड़ी एक नई पुलिया का निर्माण भी किया जाएगा जिससे बरसात के दिनों में पानी का बहाव सुचारु रूप से हो सके और किसी भी प्रकार की अवरुद्धता न आए। यह नई संरचना ओवरफ्लो की समस्या को स्थायी समाधान प्रदान करेगी। यहां फोरलेन सड़क का निर्माण किया जाएगा जिससे ट्रैफिक दबाव को कम किया जा सके और आवागमन तेज़ और सुरक्षित हो। पुलिया के मारुति नगर वाले छोर पर भारत के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की एक प्रतिमा भी स्थापित की जाएगी। यह प्रतिमा न केवल क्षेत्र की शोभा बढ़ाएगी बल्कि जनमानस को उनके आदर्शों की भी याद दिलाती रहेगी। मंगलवार को पालिकाध्यक्ष अखिलेश मेड़तवाल ने पंचमुखी पुलिया पहुंचकर चल रहे कार्यों को देखा और आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान उनके साथ भाजपा जिला उपाध्यक्ष नरेंद्र काला, नगर महामंत्री विशाल जैन, उमेश माहेश्वरी, पार्षद रामेश्वर अहीर, दिलीप पाटीदार, महेश नामदेव, दौलत यादव, संदीप चंद्रावत, निखिल सुमन, राजकुमार धाकड़, विजय मीणा, जयदीप सिंह शक्तावत, कमलेश पाटीदार, हरीनिवास राठौर, प्रमोद पोरवाल, विजय प्रजापति आदि भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे। आपको बता दें कि हाल ही में बरसों से अस्त व्यस्त रेलवे स्टेशन चौराहे का शानदार सौंदर्यकरण भी पालिकाध्यक्ष अखिलेश मेड़तवाल द्वारा करवाया गया।

कोटा लाडपुरा पंचायत समिति के फिर बने गुड्डू प्रधान

सुकेत (रॉयल पत्रिका)। कोटा लाडपुरा पंचायत समिति में नईमुद्दीन गुड्ड ने शुक्रवार को फिर प्रधान का पद ग्रहण कर लिया। इससे पहले गुड्ड ने नयापुरा अदालत चौराहे पर डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। चौराहे से समर्थकों के साथ पैदल चलकर वे पंचायत समिति कार्यालय पहुंचे। कहा कि संविधान की जीत हुई है। प्रदेश महासचिव अनूप ठाकुर, मंजूर तंवर, नेमी गुर्जर, नगर निगम उपमहापौर पवन मीणा, कैथून कीपूर्व नगर पालिका अध्यक्ष आईना महक, युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष मोईजुद्दीन गुड्ड, उपप्रधान अशोक मीणा साथ रहे। गुड्ड से पहले भाजपा के हेमंत यादव प्रधान रहे। अनियमितताओं के आरोप के बाद गुड्ड के निलंबन के बाद हेमंत 12 मार्च 2025 को प्रधान बने थे। इस तरह हेमंत 5 माह 8 दिन तक प्रधान रहे। इधर, नईमुद्दीन गुड्ड के चार्ज संभालने पर पंचायत समिति में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नारे लगाए। सभी का मुंह मीठा कराया गया। कांग्रेस जिलाध्यक्ष रविंद्र त्यागी ने संविधान की प्रतिमा हाथ में लेकर उनको कार्यभार ग्रहण करवाया।

6 महीने चले अदालती केस के बाद नईमुद्दीन गुडडू ने पुन: संभाली लाड़पुरा प्रधान की कुर्सी

-नईमुद्दीन गुडडू के समर्थकों ओर कांग्रेसी नेताओं में खुशी की लहर

कोटा (रॉयल पत्रिका)। पंचायत समिति लाडपुरा के प्रधान नईमुद्दीन गुड् को वित्तीय अनियमितता के चलते 27.02.25 को निलंबित किया गया था, जिसके चलते राजस्थान हाईकोट में याचिका दाखिल कर कोर्ट द्वारा स्टे किया गया। जिसकी पालना में 20.8.25 को पंचायत राज विभाग के सचिव इंद्रजीत सिंह द्वारा पदग्रहण का आदेश निकला गया।

इसके बाद प्रधान नईमुद्दीन गुड् ने अदालत चौराहे पर स्थित संविधान निर्माता बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ अदालत चौराहे से पैदल चल कर पंचायत समिति परिसर में आकर पदभार ग्रहण किया, पंचायत समिति में सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी की और सभी का मुंह मीठा कराया गया। पदभार ग्रहण कार्यक्रम में कांग्रेस जिलाध्यक्ष रविंद्र त्यागी, प्रदेश महासचिव अनूप ठाकुर, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव मंजूर तंवर, लाडपुरा विधानसभा प्रभारी नेमी गुर्जर, उपमहापौर पवन मीणा, पूर्व कैथून नगर पालिका अध्यक्ष आईना महक, युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष मोईज उद्दीन गुडडू, ब्लॉक अध्यक्ष लाडपुरा अनूप मेहरा, उप प्रधान अशोक मीणा, पार्षद बबलू कसाना, पार्षद किशन प्रजापति, मंडल अध्यक्ष हेमचंद कुशवाहा, कमल गहलोत, जिशान अली, पंकज प्रभाती, उमा शंकर नागर, दीपक नामदेव, हंसराज चारण, विनोद बुर्ट, सांगोद ब्लॉक अध्यक्ष शकील मिर्जा, अंसारी समाज अध्यक्ष लियाकत अंसारी सहित सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सुकेत में महात्मा गांधी स्कूल की छत से गिरा प्लास्टर

सुकेत (रॉयल पत्रिका)। महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय सुकेत की पुरानी व जर्जर हो चुकी इमारत की प्राथमिक कक्ष की छत से अचानक प्लास्टर और कंकड़ गिर पड़े। लेकिन मनोहरथाना के पिपलोदी स्कूल हादसे के बाद से सतर्क अध्यापक ने तुरंत बच्चों को बाहर निकाल लिया। जिससे बड़ा हादसा होने से टल गया। गुरुवार को जब बच्चों ने घटना की जानकारी अभिभावकों को दी तो कई अभिभावक विद्यालय पहुंचे और औचक निरीक्षण में छत व दीवारों में दरारें, टूटे पत्थर और करंट युक्त गेट देखकर भड़क उठे। कई बच्चों ने डर के कारण स्कूल जाने से इंकार कर दिया।

अभिभावकों ने जताई नाराजगी- अभिभावकों एवं नगर वासियों ने नाराजगी जताते हुए कहा कि गत शनिवार को विशाल वृक्षारोपण -कार्यक्रम महात्मा गांधी राजकीय-विद्यालय सुकेत में किया गया था। लोगों ने सवाल किया कि मंत्री के प्रतिनिधियों ने इस समस्या से मंत्री को अवगत क्यों नहीं करवाया। बारिश में छत से प्लास्टर गिरने

एवं छत में दरारें होने के कारण शिक्षकों को मजबूरन बच्चों की छुट्टी करनी पड़ती है। अभिभावकों ने बताया कि स्कूल की छत से पानी टपकता रहता है और स्कूल भवन की दीवारों में दरारें पड़ गई हैं। छत का प्लास्टर जगह-जगह से गिरता रहता है। स्कूल भवन का जगह-जगह से प्लास्टर गिरता रहता है। स्कूल का पुराना प्रधानाचार्य किरण श्रीवास्तव ने बताया कि शिक्षा विभाग के अधिकारियों को अवगत करवा दिया है। मजबूरी में बारिश के दौरान छात्रों की छुट्टी करनी पड़ती है। आक्रोशित अभिभावकों ने स्कूल पहुंचकर विरोध प्रदर्शन किया और स्कूल प्रशासन को चेतावनी दी है। अभिभावकों ने स्कूल भवन की मरम्मत और नए कमरों का निर्माण नहीं होने पर बच्चों को स्कूल में पढ़ने से रोकेंगे। नगरवासियों एवं अभिभावकों ने स्कूल प्रशासन से स्कूल की मरम्मत करवाने की मांग करते हुए बच्चों को सुरक्षित स्थान एवं दो शिफ्ट पर पढ़ाने में की मांग की है। कक्षा कक्ष की छत व दीवार से पत्थर गिरते देखे। गेट में करंट भी पाया गया। बच्चों को खतरे में नहीं डाल सकते। इमरान खान, अभिभावक नेताओं के लिए यह केवल माला और साफा पहनने का स्थान नहीं है। यहां नगर के होनहार बच्चों का भविष्य दांव पर है। छत का काम चालू होने की वजह से पत्थर आ गए थे। बच्चे सुरक्षित हैं। काम करने वाले मजदूरों को छुट्टी के बाद काम करने के लिए पाबंद किया गया है।

माहे रबीउल अव्वल का चांद नज़र आया, ईद मिलादुन्नबी 5 सितंबर को

कोटा (रॉयल पत्रिका)। देश के विभिन्न प्रदेशों से चाँद की खबर मिलने पर आज दरगाह अहमद अली उर्फ़ जंगली शाह बाबा पर 5 सितंबर को ईद मिलादुन्नबी होने का उलेमाओ द्वारा एलान किया। दरगाह अहमद अली शाह पर सफ़ेद अमन का परचम लहराकर दिया शांति का संदेश। इस मौके पर मिठाईयां बांटी, ओर गले मिलकर मुबारक बाद पेश की। ऑल इंडिया सीरत कमेटी के राष्ट्रीय महासचिव नियाज़ अहमद निक्कू व प्रवक्ता आसिफ़ ख़ान ने बताया की परंपरागत तरीक़े से ऑल इंडिया सीरत कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना फज़ले हक़ कादरी की सरपरस्ती, मौलाना सईद मुख़्तार, मौलाना अलाउद्दीन अशरफी, क़ाज़ी ए कस्बा कैथून, मोलाना इदरीस रज़ा, मुफ़्ती नौशाद, हाफिज यामीन अशरफ़ी, मुफ़्ती शाहबाज़ आलम, मौलाना रौनक़ अली, हाफिज इब्ने अली, मौलाना कमरूद्दीन अशरफी, हाफिज शाहनवाज, मोलाना अज़हर व ऑल इंडिया सीरत कमेटी के पदाधिकारियों की मौजूदगी में ईद मिलादुन्नबी का अमन का सफ़ेद परचम लहराकर पैग़म्बरे इस्लाम की अमनो शांति के संदेश को 1500 साला मिलादुन्नबी पर जन जन तक पहुँचाने का संदेश दिया। मौलाना फजले हक़ ने बताया कि अजमेर के शहर काजी तौसीफ अहमद ने चांद की तस्दीक करने पर क़ाज़ी ए शहर कोटा जुबैर अहमद साहब ने 5 सितंबर को ईद मिलादुन्नबी का लेटर जारी किया । देश की प्रसिद्ध यूनिवर्सिटी दारुल उलूम अशरफ़िया मुबारकपुर के मुफ्ती निजामुद्दीन साहब ने भी 5 सितंबर को ईद मिलादुन्नबी का लेटर जारी किया है। प्रोग्राम में एडवोकेट अख्तर खान अकेला, निजामुद्दीन बबलू, पूर्व वक्फ कमेटी चेयरमैन कोटा अब्दुल अजीज अंसारी, दरगाह बाबा जंगली शाह के सदर जफर ठेकेदार, बशरुद्दीन उर्फ कल्लू पीर, इदरीस बरकाती, डॉक्टर अतीक, अख्तर अंसारी, तबरेज पठान, नदीम खान, रफीक बुमिया, दानिश पठान अंता, अब्दुल जलील सदर केशवपुरा मस्जिद, साजिद जावेद, जाहिद निजामी, कलीम मिंटू मौजूद रहे, इरफान गोरी ने मिठाईयां खिलाकर खुशियां मनाई। पठान मदनी सोसाइटी के अध्यक्ष मोइनुद्दीन जिलानी व उनके साथियों के सहयोग से लंगर का एहतेमाम किया गया।

राठौर तेली समाज सेवा समिति ने उपखंड कार्यालय में एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

-गौ-रक्षक टीम पर हमला करने का विरोध

सुकेत (रॉयल पत्रिका)। नागौर जिले के परबतसर में चल रहे पशु मेले में गौ तस्करों द्वारा गाय और उनके बछड़ों की अवैध रूप से हो रही तस्करी और गो रक्षक टीम पर किए गए हमले के विरोध में शुक्रवार को राठौर तेली समाज सेवा समिति ने उपखण्ड कार्यालय में एसडीएम को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया कि मेले में अवैध रूप से गाय बछड़ो को लोडिंग वाहन में अधिक संख्या में भर रखा था, ताकि उनको बुचडखानो में ले जाया जा सके। गुप्त सूत्रों से प्राप्त सुचना के आधार पर गौ रक्षा कमांडो फ़ोर्स के राष्ट्रिय प्रभारी प्रहलाद राठोर एवं साध्वी आशा दीदी की टीम के साथ मौके पर पहुचकर, उनको समझाने का प्रयास किया लेकिन समझाईश के दौरान उन्होंने बर्बरतापूर्ण व्यव्हार करते हुए उल्टा गौ रक्षको के साथ मारपीट करना प्रारम्भ कर दिया। इस दौरान गौ रक्षा कमांडो के प्रभारी प्रहलाद राठोर एवं अन्य सदस्य बुरी तरह जख्मी हो गए। साध्वी आशा दीदी भी इनके हमलो से घायल हो गई। इस दौरान इन्होने पुलिस प्रशासन से भी मदद की गुहार लगाई लेकिन उन्होंने भी नकारात्मक रवैय्या अपनाते हुए उल्टा गौ रक्षको के खिलाफ ही मुकदमा दर्ज कर लिया। पुलिस प्रशासन भी गौ तस्करों के साथ मिला हुआ था, पुलिस ने भी गौ तस्करों की तरफदारी की। प्रशासन का यह रवैया समाज हित में नकारात्मकता को प्रदर्शित करता है। ज्ञापन में राठोर तेली समाज ने इस घटना की घोर निंदा करते हुए दोषियों के विरुध्द नियमानुसार कठोर कार्यवाही करने की मांग की है। ज्ञापन सौपने वालो में नगर कांग्रेस अध्यक्ष पवन बाबेल, पूर्व पालिका उपाध्यक्ष रमेश मीणा (गुड्), पूर्व पालिका अध्यक्ष विजय गौतम, श्याम आचार्य, नूर मोहम्मद, मुकेश सैन, समाज अध्यक्ष गणेश राठौर, उपाध्यक्ष रविन्द्र राठौर, सचिव राकेश राठौर, कोषाध्यक्ष राकेश राठौर, महामंत्री महेश राठौर, संघठन मंत्री विधा सागर राठौर, भरत राठौर, नंद किशोर राठौर, बलराम राठौर, बालमुकंद राठौर, विनोद राठौर सहित अजय मीणा मौजूद रहे।

एसडीपीआई बारां ज़िला प्रतिनिधि सम्मेलन संपन्न, ज़िला कमेटी की घोषणा

बारां (रॉयल पत्रिका)। 24 अगस्त 2025 रविवार को सौशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया, राजस्थान की DRC (ज़िला प्रतिनिधि सम्मेलन) बारां शहर में आयोजित की गई। सबसे पहले प्रदेश नेतृत्व का ज़ोरदार स्वागत कर उनको रैली के रूप में कार्यक्रम स्थल तक ले जाया गया, उसके बाद पार्टी का फ्लेग होस्टिंग किया गया और कार्यक्रम की शुरुआत की गई। पार्टी की ज़िला कमेटी की घोषणा कर के सभी निर्वाचित ज़िला कमेटी सदस्यों व पदाधिकारियों का स्वागत किया गया। इस अवसर पर राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष अशफ़ाक़ हुसैन, प्रदेश महासचिव नदीम अख़्तर, प्रदेश कोषाध्यक्ष ज़ाकिर हुसैन रंगरेज, प्रदेश कार्यकारणी सदस्यों के रूप में इफ्तेक़ार अहमद, मुफ़्ती मोहम्मद उमर और मोहम्मद जावेद ने बतौर मेहमान इस सम्मेलन में शिरक़त कर ज़िला कमेटी के चुनाव की प्रक्रिया को संपन्न कराया। नई ज़िला कमेटी में अब्दुल अज़ीज़ अज्जू ज़िला अध्यक्ष, अल्ताफ हुसैन व अख्तर हुसैन ज़िला उपाध्यक्ष, अलीम मंसूरी व सलमान नदवी ज़िला महासचिव, शहादत अंसारी व गुलशेर अहमद ज़िला सचिव व हाजी मोहम्मद अशफ़ाक़ कोषाध्यक्ष तथा इरशाद अंसारी, सलामत हुसैन, नियाज़ अहमद, ज़ाकिर हुसैन, रईस अहमद, लियाक़त हुसैन व वसीम शेख कार्यकारणी सदस्य के रूप में चुने गए।

झालावाड़ में निशुल्क मुसलमानी खतना सुन्नत शिविर 23 अक्टूबर को आयोजित होगा

-सफल आयोजन के लिए कमेटी का गठन

फिरोज खांन वारसी

झालावाड़ (रॉयल पत्रिका)। करामत अली बाबा साहब की दरगाह शरीफ पर खतना शिविर को लेकर मीटिंग आयोजित की गई। हर साल की तरह इस साल भी सीरते मुस्तफा मददगार सोसायटी हबीब नगर और ईदगाह इंतजामिया कमेटी की जानिब से लगने वाले निशुल्क मुसलमानी खतना सुन्नत शिविर के सफल आयोजन के लिए मुकीम बेग हाजी निजाम चौधरी, इस्माइल अंसारी पाटन, डॉ. रोशन साहब, रईस भाई कटपीस की सरपरस्ती में और सोसायटी के सदर हाजी अब्दुल हुसैन साहब ईदगाह सदर अब्बू भाई की सदारत में कुरान शरीफ की तिलावत के साथ मीटिंग का आगाज हुआ। शिविर के बारे में अधिक जानकारी देते हुए सोसायटी के सेकेट्री राजू भाई हबीब नगर ओर नायब सदर बल्ला भाई ने बताया कि मीटिंग में सभी मेंबर हजरात से सलाह मशवरा किया गया और सभी ने 23 अक्टूबर को निशुल्क मुसलमानी खतना सुन्नत शिविर ईदगाह परिसर झालावाड़ में लगाने की प्रस्ताव दिया उसके बाद सोसायटी के सदर अब्दुल हुसैन साहब ने बताया कि 23 अक्टूबर 2025 को खतना शिविर आयोजित होगा। सोसायटी के कैशियर मोनू भाई और इमरान भाई पेंटर ने बताया कि मीटिंग में आए हुए सभी हजरात का इस्तकबाल किया गया और सभी को खतना शिविर के बारे में समझाया गया और हॉस्पिटल प्रशासन, पुलिस प्रशासन, नगर परिषद के सभी प्रशासनिक कार्य की सभी मेंबर हजरात को अपनी अपनी जिम्मेदारी सौंपी गई और इस मौके पर ईदगाह सदर जनाब शराफत अली उर्फ अब्बू भाई को योमें पैदाइश के मुबारक मौके पर केक काटकर माला पहनाकर मुंह मीठा किया और मुबारकबाद पेश की गई और लंबी उम्र अच्छी सेहत की दुआ की गई। इस मौके पर ईदगाह इंतजामिया कमेटी और सीरते मुस्तफा मददगार सोसायटी हबीब नगर के सभी मेंबरान हजरात मौजूद रहे व सोसायटी के सदर हाजी अब्दुल हुसैन साहब और सेक्रेट्री राजू भाई हबीब नगर ने सभी हजरात का शुक्रिया अदा किया।

रिलायबल कंप्यूटर सुकेत द्वारा महिलाओं के लिए निशुल्क कंप्यूटर कोर्स के लिए आवेदन शुरू

सुकेत (रॉयल पत्रिका)। सुकेत कस्बे के रिलायबल कंप्यूटर एजुकेशन सेंटर पर राजस्थान सरकार के महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा मुख्यमंत्री नारी शक्ति प्रशिक्षण एवं कौशल संवर्धन योजना के अंतर्गत निशुल्क कंप्यूटर कोर्स के लिए आवेदन शुरू हो गए हैं। इसमें आरएस-सीआईटी और टैली कोर्स कराए जाएंगे। कंप्यूटर सेंटर संचालक डॉ. जरीफ अहमद ने बताया कि आवेदन के लिए न्यूनतम आयु 16 वर्ष और अधिकतम आयु 40 वर्ष निर्धारित की गई है। आवेदन के लिए आवश्यक दस्तावेजों में आवेदिका का जनआधार कार्ड, दसवीं कक्षा की अंकतालिका, तथा टैली कोर्स के लिए 12वीं कक्षा की अंकतालिका अनिवार्य होगी। कंप्यूटर टीचर जिया खान ने बताया कि इस कोर्स में ग्रेजुएट आवेदिकाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। वहीं, अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के लिए 22 प्रतिशत सीटें आरक्षित रखी गई हैं। इसके अतिरिक्त विधवा एवं तलाकशुदा महिलाओं के लिए भी आरक्षित सीटें उपलब्ध कराई जाएंगी। आवेदन की अंतिम तिथि 31 अगस्त 2025 निर्धारित की गई है। इच्छुक महिलाएं समय पर आवेदन कर इस योजना का लाभ उठा सकती हैं।

संजू कुमार शर्मा को राज्य स्तर पर सम्मानित किया

झालावाड़ (रॉयल पत्रिका)। संजू कुमार शर्मा क्षेत्रीय वन अधिकारी को 15 अगस्त 2025 को राज्य स्तर पर अरण्य भवन, जयपुर में होने वाले कार्यक्रम में सम्मानित किया गया। वन विभाग वन मंडल झालावाड़ में क्षेत्रीय वन अधिकारी के पद पर कार्यरत संजू कुमार शर्मा का चयन राज्य स्तर पर सम्मानित होने वालों में एकमात्र क्षेत्रीय वन अधिकारी के रूप में में किया गया। शर्मा को यह सम्मान अरण्य भवन, जयपुर में प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक शिखा मेहरा द्वारा प्रतीक चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।इस अवसर पर राज्य स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे, शर्मा द्वारा झालावाड़ जिले में विकसित लव कुश वाटिका बडबेला को विकसित कर इको ट्यूरिज्म के रूप में पहचान दिलाने एवं जिले के प्रथम वेटलैंड के रूप में बडबेला तालाब के संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान तथा बेटी के जन्म पर पौधे लगाने हेतु बेटी वाटिका की स्थापना हेतु चयन किया गया। जैसा कि विदित है झालावाड़ जिले में विकसित लव कुश वाटिका पर्यटन के क्षेत्र में खूब सराही जा रही है।

इसे देखने प्रतिमाह लगभग 1000 के करीब पर्यटक पहुंच रहे हैं। साथ ही वेटलैंड बडबेला पर शीत ऋतु में प्रवासी एवं स्थानीय पक्षियों का जमावड़ा लगा रहता है जो शोधार्थियों और पक्षी प्रेमियों के लिए एक अनुपम क्षेत्र बन रहा है। उक्त वाटिका को झालावाड़ जिले के पर्यटन क्षेत्र में तथा स्थानीय हाडोती और जिले की पुस्तकों में महत्वपूर्ण स्थान मिला है। जैसा कि ज्ञात है लव कुश वाटिका को विकसित करने हेतु पूर्व में भी शर्मा को हाडौती गौरव सम्मान, झालावाड़ गौरव सम्मान, झालावाड़ रत्न से भी नवाजा जा चुका है।

अल्पसंख्यक समुदाय की दो युवतियों का फिमेल हेल्थ वर्कर पद पर चयन

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर अल्पसंख्यक समाज की दो यूवतियों का फीमेल हेल्थ वर्कर पद पर चयन हुआ परिजनो ने पूर्व नेताप्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ एवम् विधायक हरलाल सहारण का आभार जताया आथुणा मौहल्ला निवासी मुस्कान पुत्री निसार खांन एवम् दिपलाणा निवासी रूकसार बानो पुत्री यासीन खां का चयन क्रमशः शहरी प्राथमिक स्वास्थय केन्द्र वार्ड नं. 08 एवम् शहरी प्राथमिक स्वास्थय केन्द्र वार्ड नं. 04 बीकानेर में फिमेल हेल्थ वर्कर पद पर चयन हुआ है। इस अवसर पर दोनो अल्पसंख्यक समुदाय की युवतियों का चयन होने पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला सहप्रभारी असगर अली जोईया एवम् पूर्व पीएमओ डॉ. एफ एच गौरी ने युवतियों का पुष्प गुच्छ भेंट कर अभिन्नदन किया। इस अवसर पर विधायक आवास पर विधायक हरलाल सहारण द्वारा भी दोनो युवतियों को शुभकामनाऐं दी गई। इस अवसर पर असगर अली जोईया ने पूर्व प्रतिपक्ष नेताप्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ व विधायक हरलाल सहारण का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर जोईया ने कहा कि अल्पसंख्यक समुदाय के लिए भाजपा शासन में कई कार्य हुऐ है जिससे इस समुदाय के लोगो में भाजपा के प्रति विश्वास बढ़ रहा है। इस अवसर पर अयूब खांन गौड़, निसार खांन सर्वा, सलीम खांन सर्वा, रमजान खान जोईया, असलम खान जोइया, शाहरूख जोईया, सफी खां चायल, युनूस जोईया, युनूस खां पहाड़ियान, युनुस खां सर्वा, मुंशी खां चायल, युसुफ खां चौहान, युसुफ खां नारू, सिराज खां जोईया, सतार खां चायल, सलीम सर्वा, सतार सर्वा, नबाब खां मलवाण, मकसूद खां सर्वा, असलम खानं नारू आदि उपस्थित रहे।

“इंटेलेक्चुअल मुस्लिम सोसाइटी की वार्षिक बैठक संपन्न”

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर जयपुर रोड स्थित जामिया अरबिया इस्लामिया मदरसा दारुल उलूम में इंटेलेक्चुअल मुस्लिम सोसाइटी की वार्षिक आम बैठक का आयोजन, हाजी याक़ूब थीम की अध्यक्षता में किया सामयिक मुद्दों पर चर्चा और विचार विमर्श किया गया। सोसाइटी के अध्यक्ष शौकत अली खान झारिया ने कहा कि सोसाइटी मेंबर्स की दिलचस्पी और सक्रियता से वे अभिभूत हैं। डॉ. मुमताज़ अली कुरैशी ने अपने उद्बोधन में, शिक्षा और स्वास्थ्य के महत्व पर रोशनी डाली। इस से पहले वरिष्ठ उपाध्यक्ष मोहम्मद अयूब रि. एडिशनल एसपी ने संगठन के उद्देश्यों और आगामी कार्य योजना के बारे में, विस्तार से जानकारी दी। संगठन के जनरल सेक्रेटरी एवं पूर्व पीएमओ डॉ. एफ एच गोरी ने अपने उद्बोधन में, भारत की गंगा जमुनी संस्कृति के खूबसूरत संगम को बरकरार रखने और सामाजिक भाई चारे के लिए काम करने की जरूरत बताई। इस के अलावा डॉ गौरी ने जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा की भावनाओं के मद्देनजर, जिले को हरा भरा (पौधारोपण) बनाने, “जल है, तो कल है”, “महिला शिक्षा एवं स्वास्थ्य” के मूल मंत्र के साथ साथ समाज में आपसी भाइचारे का पैगाम दिया। संगठन द्वारा डॉ. एफ एच गोरी के आव्हान का पूर्ण समर्थन किया गया। जिला प्रशासन द्वारा, हाल ही में सम्मानित समाज सेवी उस्मान अंसारी के अलावा, आरिफ खान प्रिन्सिपल, आवेश कुरैशी, आबिद भलीम एडवोकेट, ग्रेविटी संस्थान के निदेशक ख़ुर्शीद गौरी, भँवर खान पूर्व डी ओ, मीडिया प्रभारी मोहम्मद अली पठान द्वारा भी, बेश क़ीमती सुझाव पेश किए गए। अध्यक्षता कर रहे हाजी याक़ूब थीम ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में काम करते रहें और हर हाल में सक्रिय रहें। कोई दिक्कत आए तो बुजुर्गों को (हमें) बताएँ। जिला प्रशासन से बेहतर तालमेल के लिए भी उन्होंने संगठन पदाधिकारियों खासकर डॉक्टर गोरी और अयूब खान की तारीफ की और आगे बढ़ने का आव्हान किया। मीटिंग अपने ऐजेंडे के मुताबिक सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। अंत में प्रिन्सिपल आरिफ खान ने सभी का आभार व्यक्त किया, नए जुड़े मेंबर्स का स्वागत किया और शानदार इन्तेजाम और खाने की लजीज दावत के लिए हाजी याक़ूब थीम का शुक्रिया अदा किया गया। मीटिंग में संस्था द्वारा किए गए सम्मान समारोह पर चर्चा की गई। और शानदार समारोह के लिए संस्था अध्यक्ष शौकत अली खान झारिया पूर्व एडिशनल कमिश्नर ने सभी को साधुवाद दिया। इस अवसर पर मोहम्मद रशिद खान मोयल, शौकत अली टाक बि ओ बी,आमिर अंसारी, समीर खान, वसीम अली भाटी, मोहम्मद आरिफ खान, आबिद खान लायन, अनीश खान, मोहम्मद सदीक खान, नजीर खान रि. प्रिंसिपल, हैदर अली खान, आरिफ खान एबीएस, कैप्टन जसवंत खान, हबीब डायर, अयूब खान गोड, आसिफ खान एईएन रियाज खान एईएन, सोहेल खान, हाजी जाफर हुसैन, अलाउद्दीन, आदिल कुरेशी आदि उपस्थित रहे। मुफ्ती इरशाद कासमी ने दुआ की।

3 सितंबर को तकरीर का प्रोग्राम एवं पोस्टर विमोचन किया

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। मेहरुनिशा एजुकेशनल वेलफेयर सोसाइटी के सचिव हाजी मोहम्मद अली कादरी ने बताया कि 1500 साला ईद मिलादुन्नबी के मौके पर तकरीर के प्रोग्राम होगा। तकरीर को लेकर मीरा कॉलोनी में पोस्टर विमोचन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता मौलाना मोहम्मद इदरीश रजा कादरी और मौलाना साजिद हुसैन रिजवी होंगे जश्ने ईद मिलादुन्नबी के मौके पर तकरीर का प्रोग्राम 3 सितंबर बुधवार बाद नमाजे ईशा मीरा कॉलोनी में आयोजित होगा कार्यक्रम की तैयारी को लेकर कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी दी गई है। पोस्टर विमोचन के मौके पर मौलाना हाशिम रजा मिस्बाही, साजिद खान जोधाणा, हाजी अमीन बुंदू भाई, हकीकत अली काजी, फिरोज भाई अब्बासी, जफर इब्राहिम केके, अलादीन कायमखानी, फिरोज लोहार, मुस्लिम कादरी, मोहम्मद इस्लाम, मोहम्मद शफी, अफजल अब्बासी, शाकीर अब्बासी, आसीम, वसीम मेवाफरोश, आबिद मेवाफरोश, हाजी अहमद बख्श, अब्दुल मुत्तलिब, नदीम लोहार, सद्दाम अब्बासी, इरफान अब्बासी, रईस अहमद सहित कई युवा और बुजुर्ग उपस्थित रहे।

जुलूस की तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित जुलूस में ढोल, बैंड, बाजे जानवरों, वाहनों व झांकियों पर रहेगा पूर्ण प्रतिबंध

-नशे के विरोध में चलाई जाएगी मुहिम- साजिद खान

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। मोहम्मद सद्दीक राजू ओर नसीम अली ने बताया कि जुलूस की तैयारी को लेकर सय्यद मोहियूद्दीन अशरफ की सरपरस्ती में जालोरी गेट ईदगाह परिसर में मीटिंग का आयोजन किया गया। मौलाना हाफिज जावेद और इरफान कुरैशी ने बताया कि जुलूस हजरत अब्दुल लतीफ शाह रहमतुल्लाह अलेही की दरगाह से मुफ्ती शेर मोहम्मद खान साहब रिजवी हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। साजिद खान ने बताया कि ओलमाए अहले सुन्नत की मान्यता के अनुसार पूर्ण सादगी, अदबो, एहतराम और अकीदत से जुलूस निकाला जाएगा व निरंतर 12 दिन तक नशे के विरुद्ध पोस्टर व बैनर द्वारा लोगों को जागरूक करने का काम किया जाएगा जिसकी पूर्ण तैयारी कर ली गई है। आसिफ नुरी व शाहरुख नुरी ने बताया कि मीटिंग के दौरान मोहम्मद फारूक, मोहम्मद साजिद, मौलाना अंजार, मौलाना हुसैन अशरफी, मौलाना जाकिर, मुफ्ती बशीर नक्शबंदी, मौलाना रफीक, हाफिज आसकर, पीर जावेद मिनाई, मास्टर हसनैन अशरफी, मौलाना अब्दुल माजीद, नसीम अली, मोहम्मद जावेद, एडवोकेट अब्दुल खालिद, मोहम्मद सलीम मुन्ना, मोहम्मद सदीक राजू, मोहम्मद इरफान कुरैशी, मोहम्मद कायम, उमर सामरिया, मोहसिन अत्तारी, आसिफ नूरी, हेदर नुरी, हेदर अली, नासिर हुसैन, मोहम्मद शाहरुख, इमरान कुरेशी, जुल्फिकार अली, नूर मोहम्मद इफ्तिकार अहमद, सिराजुद्दीन, नफीस अहमद, वाजिद उस्ताद, आजाद सहित ओलमाए अहले सुन्नत, जोधपुर के तमाम बुद्धिजीवी, विद्वान और तमाम आशिकाने रसूल जोधपुर आदि उपस्थित रहे।

यह निर्णय लिए-

तंजीम अइम्मा-ए-अहले सुन्नत एवं आशिकाने रसूल कमेटी के तमाम जिम्मेदारों ने प्रस्ताव पारित करते हुए कहा कि 2023 - 2024 मैं निकाले गए जुलूस की तरह होगा इस बार भी जुलूस में टू व्हीलर, फोर व्हीलर, बैंड बाजे, ढोल ताशे, झांकियों नाबालिग बच्चे और महिलाओं पर जुलूस में पूर्ण प्रतिबंध रखा है और जुलूस सुबह के समय पर जल्दी निकल जाएगा ताकि सभी जुम्मे की नमाज अदा होकर सके।

‘संडेज ऑन साइकिल’ कार्यक्रम का आयोजन

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर जय यादव आईपीएस पुलिस अधीक्षक जिला चूरू ने बताया कि युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, भारत सरकार नई दिल्ली के फिट इंडिया मिशन के तहत देश भर की राज्य पुलिस के सहयोग से ‘संडेज ऑन साइकिल’ अभियान का एक विशेष संस्करण प्रारम्भ किया गया है। इस अभियान के तहत चूरू जिला पुलिस द्वारा 24 अगस्त 2025, रविवार को योगाचार्य आकाश सिघंल द्वारा योग एवं ताईची सेशन का आयोजन किया गया जिसमें सतपाल सिंह आरपीएस अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक त्वरित अनुसंधान सैल चूरू, सुनिल कुमार आरपीएस वृताधिकारी वृत चूरू, विजय मीणा पुलिस उप अधीक्षक साइबर थाना, मुकुट बिहारी पुलिस निरीक्षक साइबर थाना, सतवीर मीणा पुलिस निरीक्षक संचित निरीक्षक पुलिस लाईन, रामकरण सिद्ध थानाधिकारी रतननगर, जयप्रकाश झाझडिया यातायात प्रभारी, हंसराज गुर्जर थानाधिकारी दुधवाखारा आदि पुलिस कर्मचारी व अन्य विभागों के अधिकारी/कर्मचारी, सीएलजी सदस्य, ग्राम रक्षक, स्कूल व कॉलेज के बच्चे और आमजन लगभग 250-300 प्रतिभागियों ने भाग लिया, योग एवं ताईची सेशन के पश्चात रोप स्किपिंग व साईकलिंग का आयोजन किया गया, साईकिलिंग में 100 से अधिक व्यक्तियों ने भाग लिया जो पुलिस लाईन चूरू से प्रारम्भ होकर कस्बा चूरू में लगभाग 09 किलोमीटर की दुरी बारीश में भीगते हुए लोगों ने उत्साहपूर्वक पुरी की, साईकिलिंग में चूरू से लेह लद्धाख तक 57 दिन में साईकल यात्रा करने वाले साईक्लिस्ट ललित जांगिड भी शामिल हुए। साईकिलिंग के पश्चात बच्चों को चॉकलेट बांटी गयी।

जिला मुख्यालय के निकटवर्ती गाजसर के पास तारानगर तिराहे पर सड़क हादसे का मॉक ड्रिल

-जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा, एसपी जय यादव सहित आवश्यक सेवाओं के अधिकारी पहुंचें मौके पर

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा के निर्देशन में जिला मुख्यालय के निकटवर्ती गांव गाजसर के पास स्थित तारानगर तिराहे पर भीषण सड़क हादसे की मॉकड्रिल का आयोजन किया गया। कंट्रोल रूम से सड़क हादसे में काफी लोगों के हताहत होने की सूचना मिलने पर जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा, एसपी जय यादव, एडीएम अर्पिता सोनी, एएसपी लोकेन्द्र दादरवाल सहित आवश्यक सेवाओं के अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे और व्यवस्थाओं को प्रबंधित किया। आवश्यक सेवाओं के अधिकारियों ने दुर्घटना में घायलों को अस्पताल पहुंचाने और चिकित्सकीय उपचार का अभ्यास किया। विभागों का हो समन्वय, त्वरित रिस्पॉन्स से हो बेहतरीन आपातकालीन प्रबंधन इस अवसर पर ज़िला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने मॉक ड्रिल के बाद मौके पर मौजूद अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि विभागों का मजबूत समन्वय रहे तथा इस प्रकार की आपात परिस्थितियों में सूचनाओं के आदान—प्रदान व त्वरित रिस्पॉन्स से बेहतरीन प्रबंधन करें। उन्होंने कहा कि आपदा के दौरान समय पर लिया गया निर्णय और आपसी समन्वय हमारी सबसे बड़ी पूंजी होती है। इस मॉक ड्रिल के माध्यम से हमने देखा कि विभाग किस प्रकार त्वरित और सटीक प्रतिक्रिया दे सकते हैं। यह अभ्यास न केवल हमारी तैयारियों की जांच करता है, बल्कि भविष्य की वास्तविक परिस्थितियों में जान-माल की रक्षा हेतु हमारी क्षमता को और सशक्त बनाता है। उन्होंने कहा कि सभी विभाग अपने दायित्वों व आपात के दौरान अपेक्षित गतिविधियों के लिए तैयार रहें। उन्होंने मॉक ड्रिल के दौरान विभागीय गतिविधियों की जानकारी देते हुए निर्देश दिए कि मॉक ड्रिल के दौरान देखी गई कमियों का विश्लेषण कर सुधारात्मक कदम उठाएं ताकि भविष्य में और बेहतर प्रतिक्रिया सुनिश्चित की जा सके। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक जय यादव ने कहा कि मॉकड्रिल का आयोजन करना आपात सेवाओं के रिस्पांस टाइम का परीक्षण करना था ताकि सेवाओं को और बेहतर किया जा सके। उन्होंने कहा कि सभी सेवाओं के अधिकारी समय पर मौके पर पहुंचे। उनके रिस्पांस का परीक्षण किया गया तथा की जाने वाली गतिविधियों का एनालिसिस किया गया। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन और पुलिस मिलकर इस प्रकार की परिस्थितियों के लिए मुस्तैदी से काम कर रही है। यादव ने कहा कि मॉक ड्रिल के दौरान विभागों के रिस्पॉन्स टाइम व आवश्यक तैयारियों के परीक्षण के बाद सेवाओं को बेहतर बनाने के प्रयास किए जाएंगे। मौके पर पहुंचे अधिकारी दुर्घटना की सूचना मिलने के साथ ही जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा एसपी जय यादव, एडीएम अर्पिता सोनी, एएसपी लोकेन्द्र दादरवाल, डीवाईएसपी सुनील झाझड़िया, एपीआरओ मनीष कुमार, चूरू एसडीएम बिजेंद्र सिंह, तहसीलदार अशोक गोरा, सीएमएचओ डॉ मनोज शर्मा, कोषाधिकारी प्रवीण सिंघल, एसजेईडी डीडी नगेंद्र सिंह राठौड़, एसीपी नरेश टुहानिया, सदर पुलिस थाना टीम, एंबुलेंस सेवाएं, आपदा प्रबंधन टीम आदि मौके पर पहुंचे और हताहतों को आवश्यक सहायता का अभ्यास किया।

सांचौर जिला बहाल करने की मांग को लेकर धरना 240 वें दिन भी जारी

-प्रतिदिन अलग-अलग ग्राम पंचायत के ग्रामीण धरने को दे रहे सर्मथन

सांचौर (रॉयल पत्रिका)। जिला बचाओ संर्घष समिति की ओर से जिले की बहाली की मांग को लेकर दिया जा रहा है धरना प्रतिदिन अलग-अलग ग्राम पंचायत के ग्रामीणों द्वारा भारी संख्या में धरने में शामिल हो कर ज्ञापन सौंपा जा रहा है। धरनार्थियों द्वारा मुख्यमंत्री के नाम अतिरिक्त जिला कलक्टर को ज्ञापन सौप। अपना दुखड़ा बताया इससे ये जाहीर होता हैं कि जिला ग्रामीणों के लिए कितना महत्वपूर्ण है।

ज्ञापन में उल्लेख किया है कि सांचौर कि जिला मुख्यालय जालौर की दूरी 145 किलोमीटर है, वहीं अंतिम गांव की दूरी ढाई सौ किलोमीटर तक है। परिवहन सुविधा के अभाव में लोगों को जालौर तक पहुंचने में भारी आर्थिक बोझ उठाना पड़ता है। ऐसे में राज्य सरकार को जल्द ही सांचौर जिला बहाल करने की घोषना करनी चाहिए, ताकि स्थानीय लोगों को राहत मिल सके। धरने में वक्ताओं ने कहा कि सांचौर जिला पूर्ण रूप से मानकों पर खरा उतरता था। सरकार द्वारा इसे निरस्त करना जनभावनाओं के साथ अन्याय है। पूर्व सरकार की और से किए गए निर्णयों को निरस्त करना बडी भूल है। यदि वर्तमान जन प्रतिनिधि सही ढंग से पैरवी करते तो सांचौर जिला कभी निरस्त नहीं होता। धरने में ग्रामीणों द्वारा प्रतिदिन अलग-अलग ग्राम पंचायतों से हजारों की संख्या में आम लोगों द्वारा धरने को समर्थन दिया जा रहा है। धरने को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री सुखराम विश्नोई, एडवोकेट भीमाचौधरी, एडवोकेट सदराम विश्नोई लादूसिंह किलवा, चंदन सिंह राजपुत विरोल, गुमानाराम कुराड़ा, रामावतार मांजू सहित कई वक्ताओं ने जिला बहाली की मांग करते हुए राज्य सरकार से अपना हक मांगा। इस मौके पर हजारों की संख्सा में ग्रामीण मौजूद रहे।

सांचौर में बारिश से एनएच 68 बदहाल, एलिवेटेड पुल की सर्विस रोड़ नहीं बनने से वाहन चालक परेशान

-व्यापारियों ने कई बार ज्ञापन दिया मगर कोई कार्रवाई नहीं

सांचौर (रॉयल पत्रिका)। सांचौर शहर से गुजरने वाले नेशनल हाइवे 68 इन दिनों आसुबहा रहा है काई भी सुध लेने वाला नहीं बदहाल हाइवे गढ्ढ़ो से घिरा हुआ है। गढ्ढ़ो के कारण कई हादसे हो चुके है लेकिन प्रशासन बेखबर निर्माणधीन ऐलिवेटेड पुल के दोनों ओर सर्विस रोड़ पर पक्की सड़क का निर्माण अब तक नहीं हुआ है, बारिश के चलते यह रास्ता बड़े-बड़े गढ्दो में तब्दील हो चुका है, जिससे वाहनों का गुजरना बेहद ही मुश्किल हो चुका है। कई बार दिन में जाम लगा रहता है लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। शहर को पार करने में करीब 3 किलोमीटर ऐलिवेटेड सर्विस लाइन को पार करने में आधे घण्टे से अधिक का समय लग जाता है। इस जाम में आपातकालीन सेवाएं जैसे एंबुलेंस व फायरब्रिगेड फंस जाती है वहीं स्कुली बच्चों को लेकर जाने वाली बसे भी घण्टों जाम में फसी रहती है। स्थानीय व्यापारीयों ने कई बार प्रशासन को ज्ञापन सौपकर समस्या बताई लेकिन प्रशासन द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई, और न ही निर्माण कम्पनी इस और ध्यान देकर समस्या का हल निकाल रही है। बारिश से टूटा नेशनल हाइवे जगह-जगह गढ्ढ़ो ने वाहन चालको की समस्याएं बढ़ा रखी है कई बार गढ्ढे के बचाने के चक्कर में हादसे का शिकार वाहन चालक हो जाता है। कमालपुरा, कारोला, धमाणा और डेडवा सरहद में तो हाइवे बदहाल हो चुका है। इससे हादसे की आशंका बनी रहती है। लेकिन विभाग की ओर से कोई ठोस कदम नही उठाए जा रहे है। लोगों का कहना है कि हाइवे भी गांरटी पीरियड में है, इसके बावजूद संबंधित कम्पनी केवल औपचारिक पेचवर्क कर अपना पल्ला झाड़ रही है। विभागीय नियमों की खुल्ली धज्जिया उड़ रही है, लेकिन जिम्मेदार चुप्पी साधे हुए है। वाहन चालाक एवं व्यापारियों व शहर वासियों ने प्रशासन और विभाग से जल्द से जल्द सड़क की मरम्मत व सर्विस रोड़ निर्माण की मांग की है, ताकि आवागमन सुचारू हो सके और हादसों पर रोक लगाई जा सके।

“मुस्लिम प्रतिभा सम्मान समारोह” सम्पन्न

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। अजमेर में मुस्लिम वेलफेयर एजुकेशन समिति की ओर से जेएलएन मेडिकल कालेज के सभागार में सम्पन्न “मुस्लिम प्रतिभा सम्मान समारोह” में 80 प्रतिशत से अधिक अंक 10वीं, बारहवीं, स्नातक में लाने और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्तीर्ण करीब 430 प्रतिभागियों का सम्मान किया गया। इसी कड़ी में प्रतिभागियों में से चार प्रतिभागियों को लाटरी के जरिये ईनाम भी दिया गया । लाटरी का प्रथम पुरस्कार लक्जरी साईकिल नसीराबाद की प्रतिभागी बेटी खुशी मिर्जा बेटी वाजिद हुसैन, पलसानिया रोड नसीराबाद को भामाशाह सैय्यद रब नवाज जाफरी तारागढ़ अजमेर (वन विभाग) के हाथों से दिया गया ।

भारत का लोकतंत्र मजबूत, उसे कोई खतरा नहीं भ्रम फैलाने वाली ताकतों से लोग सतर्क रहें- देवनानी

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि भारत का लोकतंत्र मजबूत है। भारत के लोकतंत्र को किसी भी प्रकार का कोई खतरा नहीं है। भारत के संविधान की जड़े भी बहुत गहरी हैं। इसे कोई समाप्त नहीं कर सकता है। भारत के लोगों को एकजुट और एकमुखी होकर काम करना होगा ताकि विश्व को एकता का संदेश जाए। देवनानी ने कहा कि कुछ ताकतें जो भ्रम फैला रही हैं उनसे सभी को सतर्क रहना होगा। देवनानी ने कहा कि भारत की लोकतांत्रिक यात्रा वेदों से लेकर संविधान तक फैली हुई है। यह यात्रा दर्शाती है कि भारत केवल आज का लोकतंत्र नहीं है बल्कि यह उसकी आत्मा में सदियों से बसी एक परंपरा है। देवनानी ने कहा कि भारत वास्तव में लोकतंत्र की जननी है। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष देवनानी रविवार को दिल्ली विधानसभा द्वारा आयोजित स्पीकर सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। देवनानी ने कहा कि भारत विश्व की सबसे प्राचीन सभ्यताओं में से एक है जिसकी लोकतांत्रिक परंपरा हजारों वर्ष पुरानी है। यह परंपरा वेदों उपनिषदों और इतिहास में अंकित है। देवनानी ने कहा कि जब विश्व के अन्य भागों में मानव समाज शिकार पर आश्रित था और लोग वृक्षों की छालों से अपने शरीर ढकते थे, उस प्राचीन काल में भारत का वैदिक साहित्य राजनीतिक क्षेत्र और शासन व्यवस्था की अत्यंत परिपक्व अवधारणा से समृद्ध हो चुका था। उन्होंने कहा कि भारत भूमि पर उस युग में ही गणराज्य, लोकतंत्र तथा राष्ट्र की अवधारणा ने केवल विकसित हो चुकी थी, अपितु उनका भू-सांस्कृतिक, भू राजनीतिक तथा सार्वभौम शासन से संबंधित गहन विमर्श भी प्राचीन ग्रंथो में संकलित हो चुका था। देवनानी ने कहा कि वर्तमान में भारत को विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश कहे जाने का आधार केवल इसकी जनसंख्या की विशालता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उसकी लोकतांत्रिक संरचना, परंपरा और व्यापक जनसंख्या में निहित है। उन्होंने कहा कि भारत में संविधान द्वारा स्थापित लोकतंत्र केवल एक राजनीतिक व्यवस्था नहीं बल्कि एक जीवन्त सामाजिक अनुशासन है, जो विविधता में एकता, विचारों की स्वतंत्रता, सार्वभौमिक मताधिकार और न्याय प्रियता पर आधारित है।

जमात-ए-इस्लामी हिंद मांगरोल के पर्यावरण जागरूकता अभियान का समापन

मांगरोल (रॉयल पत्रिका) जमात-ए-इस्लामी हिन्द यूनिट मांगरोल की तरफ से 10 अगस्त से 25 अगस्त तक चलाए गए मीजान में खलल न डालो पर्यावरण जागरूकता अभियान का सोमवार को समापन हुआ। जमाअत इस्लामी के नगर अध्यक्ष आसिफ़ अंसार ने बताया कि इस अभियान में लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने के लिए अलग अलग तरह के प्रोग्राम किए गए। जिसमें पर्यावरण जागरूकता रैली, पौधा रोपण, पंपलेट वितरण, सामूहिक भाषण, प्रशासनिक व गणमान्य नागरिकों से मुलाकात, महिलाओं में अभियान के प्रति जागरूक करने के लिए प्रोग्राम व डोर टू डोर संपर्क के साथ साथ घरेलू वेस्ट चीजों से खाद बनाना शामिल है। इसके अलावा इस 15 दिन चले अभियान में सोशल मीडिया पर पर्यावरण जागरूकता हेतु पोस्टर भी शेयर किए गए।

आवश्यकता

जयपुर से प्रकाशित होने वाले अख़बार “रॉयल पत्रिका” को सीकर, झुंझुनूं के लिए रिपोर्टर की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार। संपर्क करें - 8058969180/992844315

मोहम्मद आरिफ
(होटल हयात)

रॉयल पत्रिका के संवाददाता
शब्बीर हुसैन (रॉयल)
को स्वतंत्रता दिवस पर जिला प्रशासन द्वारा सम्मानित किए जाने पर
बहुत बहुत मुबारकबाद

राशिद अली

रॉयल पत्रिका के संवाददाता
शब्बीर हुसैन (रॉयल)
को स्वतंत्रता दिवस पर जिला प्रशासन द्वारा सम्मानित किए जाने पर
बहुत बहुत मुबारकबाद

डॉ. वसीम अहमद
BUMS

रॉयल पत्रिका के संवाददाता शब्बीर हुसैन (रॉयल)
को स्वतंत्रता दिवस पर जिला प्रशासन द्वारा सम्मानित किए जाने पर
बहुत बहुत मुबारकबाद

मोहम्मद आफाक
डायरेक्टर
सहारा बाल विधा निकेतन बारां

रॉयल पत्रिका के संवाददाता शब्बीर हुसैन (रॉयल)
को स्वतंत्रता दिवस पर जिला प्रशासन द्वारा सम्मानित किए जाने पर
बहुत बहुत मुबारकबाद

समीर खान
समाजसेवी, बारां

रॉयल पत्रिका के संवाददाता शब्बीर हुसैन (रॉयल)
को स्वतंत्रता दिवस पर जिला प्रशासन द्वारा सम्मानित किए जाने पर
बहुत बहुत मुबारकबाद

अब्दुल मतीन
9460941499

रॉयल पत्रिका के संवाददाता शब्बीर हुसैन (रॉयल)
को स्वतंत्रता दिवस पर जिला प्रशासन द्वारा सम्मानित किए जाने पर
बहुत बहुत मुबारकबाद

इरफ़ान अंसारी
चेयरमैन
वक्फ बोर्ड कमेटी बारां

रॉयल पत्रिका के संवाददाता
शब्बीर हुसैन (रॉयल)
को स्वतंत्रता दिवस पर जिला प्रशासन द्वारा सम्मानित किए जाने पर
बहुत बहुत मुबारकबाद

सौजन्य से : मन्नत डेकोर, पुराना गाड़ी अड्डा, बारां

सलीम भाई
(शटर वाले)
पूर्व सचिव
जिला कांग्रेस कमेटी बारां

रॉयल पत्रिका के संवाददाता
शब्बीर हुसैन (रॉयल)
को स्वतंत्रता दिवस पर जिला प्रशासन द्वारा सम्मानित किए जाने पर
बहुत बहुत मुबारकबाद

सौजन्य से : इण्डियन रोलिंग शटर, पुराना गाड़ी अड्डा, बारां

अब्दुल कलाम
(स्टोन)
पूर्व महामंत्री जिला कांग्रेस कमेटी
अल्पसंख्यक विभाग बारां

रॉयल पत्रिका के संवाददाता शब्बीर हुसैन (रॉयल)
को स्वतंत्रता दिवस पर जिला प्रशासन द्वारा सम्मानित किए जाने पर
बहुत बहुत मुबारकबाद

पीएम मोदी का गुजरात दौरा: 5400 करोड़ की परियोजनाओं का उद्घाटन

- ई-विटारा से मेक इन इंडिया को मिलेगी नई उड़ान

नई दिल्ली (रॉयल पत्रिका)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार से दो दिवसीय गुजरात दौरे पर हैं। इस दौरान वे 5,400 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। अहमदाबाद में सार्वजनिक सभा को संबोधित करने के बाद वे हंसलपुर में सुजुकी की पहली वैश्विक बैटरी इलेक्ट्रिक कार 'ई विटारा' को हरी झंडी दिखाकर यूरोप और जापान सहित 100 देशों के लिए रवाना करेंगे। इसके साथ ही तोशिबा, डेंसो और सुजुकी के संयुक्त टीडीएस लिथियम-आयन बैटरी प्लांट में हाइब्रिड बैटरी इलेक्ट्रोड उत्पादन की शुरुआत करेंगे। पीएम मोदी 1,400 करोड़ की रेलवे परियोजनाओं, विरमगाम-खुदाद-रामपुरा सड़क चौड़ीकरण, अंडरपास और ओवरब्रिज का उद्घाटन करेंगे। अहमदाबाद, मेहसाना और गांधीनगर में 1,000 करोड़ की बिजली परियोजनाओं और पीएमएवाई (शहरी) के तहत झुग्गी पुनर्वास, सीवरेज व जल प्रबंधन प्रणालियों की आधारशिला रखेंगे। प्रशासनिक सुधारों के तहत अहमदाबाद में नया स्टांप-रजिस्ट्रेशन भवन और गांधीनगर में डेटा स्टोरेज सेंटर भी शुरू किया जाएगा। कुल मिलाकर यह दौरा शहरी विकास, हरित ऊर्जा, परिवहन और डिजिटल शासन को गति देने वाला साबित होगा।

जहूर अहमद
नियारगर
9314866973

फिरोज अली (बबलू)
नियारगर
9352520688

रॉयल पत्रिका के संवाददाता
शब्बीर हुसैन (रॉयल)
को स्वतंत्रता दिवस पर जिला प्रशासन द्वारा सम्मानित किए जाने पर
बहुत बहुत मुबारकबाद

निवेदक : न्यू भारत ज्वैलर्स, छोटा सर्राफा बाजार, हल्दिया जी की गली, बारां

अब्दुल हक (हक्का भाई)
नायब सचिव
वक्फ कमेटी बारां

रॉयल पत्रिका के संवाददाता
शब्बीर हुसैन (रॉयल)
को स्वतंत्रता दिवस पर जिला प्रशासन द्वारा सम्मानित किए जाने पर
बहुत बहुत मुबारकबाद

मोहम्मद शरीफ रंगरेज
पार्षद
नगर परिषद बारां

रॉयल पत्रिका के संवाददाता शब्बीर हुसैन (रॉयल)
को स्वतंत्रता दिवस पर जिला प्रशासन द्वारा सम्मानित किए जाने पर
बहुत बहुत मुबारकबाद

रॉयल पत्रिका के संवाददाता
शब्बीर हुसैन (रॉयल)
साहिल नदीम
को स्वतंत्रता दिवस पर जिला प्रशासन द्वारा सम्मानित किए जाने पर
बहुत बहुत मुबारकबाद

मोहम्मद अरशद
एलडीसी

रॉयल पत्रिका के संवाददाता
शब्बीर हुसैन (रॉयल)
को स्वतंत्रता दिवस पर जिला प्रशासन द्वारा सम्मानित किए जाने पर
बहुत बहुत मुबारकबाद

अब्दुल मलिक
नर्सिंग ऑफिसर
शहीद राजमल मीणा
राजकीय चिकित्सालय बारां

रॉयल पत्रिका के संवाददाता
शब्बीर हुसैन (रॉयल)
को स्वतंत्रता दिवस पर जिला प्रशासन द्वारा सम्मानित किए जाने पर
बहुत बहुत मुबारकबाद

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी मुन्नाखान के लिए अम्बर ऑफसेट प्राइवेट लिमिटेड, 3-A, डी एल टावर, विद्या आश्रम इंस्टीट्यूशनल एरिया, जेएलएन मार्ग, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312, मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाडा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित।
संपादक : मुन्नाखान मो. 9772552446 कार्यालय फोन - 0141-4982834 Gmail : royalpatrika@gmail.com Yahoo : royal_patrika@yahoo.com